www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 197 || लखनऊ
रविवार
18 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
मौसम
सूर्योदयः 06:07
सूर्यास्तः 05:35
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 19°00



पेज 07

विशेष समाचार | दशहराः शौर्य, साधना एवं >> पेज 04 | एएमयू में बग्घी पर सवार होकर... >> पेज 06 | पाकिस्तानी गजल से प्रेरित है...

2017 से पहले था 'रूल ऑफ माफिया'

सीएम योगी बोले- अब 'रूल ऑफ लॉ', इमरजेंसी और एआई समेत इन मुद्दों पर भी रखी बात

सख्ती

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सीएम योगी ने अतीक अहमद का नाम लिए बिना कहा- प्रयागराज में एक माफिया था, उस पर कोई कानून लागू नहीं होता था। क्या मुख्यमंत्री, क्या गवर्नर, क्या जस्टिस कोई मायने नहीं रखता था। उसका काफिला जब निकलता था तो पहले उसका ही काफिला पास कराया जाता था। वह जिस जमीन पर पैर रख देता था उसकी हो जाती थी। 2017 के पहले 'रूल ऑफ माफिया' था लेकिन हमने लॉ की किताब से उसे निकालकर 'रूल ऑफ लॉ' को ईमानदारी से लागू किया। शनिवार को सीएम योगी लखनऊ स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के पांचवें दीक्षांत समारोह में पहुंचे थे। सुप्रीम कोर्ट के अगले होने वाले मुख्य न्यायाधीश जस्टिस विक्रमनाथ, इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस अरुण भंसाली और उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय भी मौजूद थे।

समारोह में 260 विद्यार्थियों और शोधार्थियों को उपाधियां दी गईं। 17 मेधावियों को 20 मेडल दिए गए। इनमें 11 गोल्ड, पांच सिल्वर और चार ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। गोल्ड मेडल पाने वालों में आठ छात्राएं और तीन छात्र हैं। सीएम ने कहा कि डॉ.राम मनोहर लोहिया जी ने अपने आलेख में लिखा था- महादेव शिव जैसा मस्तिष्क, श्रीकृष्ण जैसा हृदय, प्रभु श्री राम जैसा कर्म और वचन की सामर्थ्य रखने वाला होना चाहिए... कॉन्वोकेशन समारोह में मंच से पहला मेडल पाने वाली LLM में गोल्ड मेडलिस्ट रूपल जायसवाल ने कहा कि वह इस उपलब्धि से बहुत खुश हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)



किसी भी वकील को सत्य बोलना और धर्म का पालन करना चाहिए

योगी ने कहा कि किसी भी वकील के लिए सत्य बोलना, धर्म का पालन करना और लगातार अध्ययन करना जरूरी है। उन्होंने कुलपति के दीक्षांत संबोधन की शुरुआत में कहे गए 'सत्यं वद। धर्मं चर। स्वाध्यायान्मा प्रमद।' का अर्थ समझाया। उन्होंने कहा कि यह अधिवक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण संदेश है।

इतिहास जस्टिस खन्ना की असहमति को कभी नहीं भूलेगा

मुख्यमंत्री ने आपातकाल के दौरान सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एचआर खन्ना की असहमति का जिक्र करते हुए कहा कि इसकी कीमत चुकाने के बावजूद इतिहास उनकी असहमति को नहीं भूला। उन्होंने कहा कि यह घटना रूल ऑफ लॉ यानी कानून के शासन और रूलर के लॉ यानी शासक की इच्छा के अनुसार चलने वाले कानून के बीच का अंतर समझाती है।





स्टूडेंट्स को राम-कृष्ण और शिव को अपनाना चाहिए

योगी ने डॉ. राम मनोहर लोहिया के राम, कृष्ण और शिव से जुड़े विचारों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि लोहिया ने शिव जैसे मस्तिष्क, कृष्ण जैसा हृदय और राम जैसे वचन को भारत के तीन महान आदर्श बताया था। शिव से कठिन परिस्थितियों में निर्णय लेना, कृष्ण से गरीबों के प्रति संवेदना और राम से मर्यादा का पालन करना सीखना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से इन आदर्शों को जीवन में अपनाने की अपील की।

> जस्टिस विक्रमनाथ ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, "सीएम योगी ने मुझे बिना पढ़े भाषण देने को कहा था, लेकिन कुलपति ने लिखित भाषण पढ़ने के लिए कहा है। इस बार मैं कुलपति की बात मान लेता हूं। अगली बार जब आऊंगा तो मुख्यमंत्री जी की बात मानकर बिना कागज देखे भाषण दूंगा।"

30 साल बाद 2014 में किसी एक पार्टी को पूर्ण बहुमत मिला

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में कानून और न्याय व्यवस्था की अहम भूमिका है। किसी केस को जीतने की तरह ही देश और सरकार के लिए लोगों का भरोसा जीतना भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि 16 मई 2014 को 30 साल बाद किसी एक पार्टी को पूर्ण बहुमत मिला और नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने। इसके बाद सरकार ने सुधारों की प्रक्रिया तेज की। हाईकोर्ट चीफ जस्टिस अरुण भंसाली ने कहा- तेजी से बढ़ते व्यवसायीकरण और कड़ी प्रतिस्पर्धा के इस दौर में आसान रास्ता चुनने और नैतिकता से ज्यादा सुविधा को प्राथमिकता देने का दबाव आ सकता है। आपको इसका विरोध करना होगा। कानूनी व्यवस्था की विश्वसनीयता काफी हद तक उन लोगों की व्यक्तिगत ईमानदारी पर निर्भर करती है।



हाईकोर्ट चीफ जस्टिस अरुण भंसाली ने कहा- कानून कभी स्थिर नहीं रहता। नई तकनीक, व्यापार के बदलते तरीके, निजता की बदलती अवधारणाएं, पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियां और देशभक्ति व संवैधानिक नैतिकता से जुड़े जटिल सवाल लगातार कानूनी क्षेत्र को बदल रहे हैं।

1,500 से ज्यादा पुराने और गैरजरूरी कानून हटाए गए

योगी ने कहा कि 1,500 से ज्यादा पुराने और गैरजरूरी कानून हटाए गए। जन विश्वास अधिनियम के तहत 42 कानूनों के 183 प्रावधानों में छोटी-मोटी गलतियों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया। दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता लाई गई और वन नेशन, वन टैक्स के तहत GST लागू किया गया। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया गया और नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हुआ। उन्होंने कहा कि सुधार का अर्थ केवल नए कानून बनाना नहीं, बल्कि अनुपयोगी कानूनों को हटाना भी है।

अभिजीत दीपके को मिली जमानत

1 नवंबर को एसआईआर के खिलाफ कांग्रेस की रैली

एसआईआर

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके को शनिवार को जमानत मिल गई। उन्हें 50 हजार रुपए का बेड बॉन्ड भी भरना पड़ा। दीपके को दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार देर रात गिरफ्तार किया था। उन्हें शुक्रवार को कनॉट प्लेस में 'लहरा दो तिरंगा' रैली से पहले हिरासत में लिया गया था। 8 दिन में दीपके के खिलाफ यह दूसरी बार कार्रवाई है। इससे पहले 10 अक्टूबर को उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर विमान से हिरासत में लिया गया था। अगले दिन वे रिहा हो गए थे। उधर SIR के विरोध में कांग्रेस की रामलीला मैदान में 1 नवंबर को रैली होगी। कांग्रेस ने दिल्ली पुलिस से पहले ही इसकी इजाजत ले ली है। ऑल इंडिया महिला सांस्कृतिक संगठन, क्रांतिकारी युवा संगठन (KYS) और अन्य संगठनों ने दिल्ली में हालिया प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की कार्रवाई के विरोध में मार्च निकाला। प्रदर्शनकारी मार्च करते हुए दिल्ली पुलिस मुख्यालय पहुंचे। CJP संस्थापक अभिजीत दीपके के वकील पुष्प शर्मा और पार्टी की लीगल अफेयर्स हेड रत्ना सिंह मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन पहुंचे। इससे पहले आज रत्ना सिंह ने ट्वीट कर बताया था कि अभिजीत दीपके को मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन में एसईएम (सब-डिविजनल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट) के सामने पेश किया जाएगा। दिल्ली में कनॉट प्लेस, संसद मार्ग और जंतर-मंतर पर बैरिकेड्स लगे हुए हैं। हालांकि, सड़कों पर ट्रैफिक की आवाजाही जारी है।

>> (शेष पेज



सरकार ने पोर्टल बनाया, जुलाई में हुए प्रदर्शन से जुड़ी शिकायत दर्ज करा सकेंगे

गृह मंत्रालय के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने जुलाई 2026 में जंतर-मंतर और दिल्ली के बाहर हुई हिंसा से जुड़ी घटनाओं के सभी पहलुओं की जांच के लिए हाई पावर्ड इंक्वायरी कमेटी (HPEC) का गठन किया था। प्रभावित लोगों की सुविधा के लिए HPEC ने एक पोर्टल शुरू किया है। पोर्टल को इस तरह तैयार किया गया है कि संवेदनशील मामलों में प्रभावित लोगों की पहचान गोपनीय रखी जा सके और उनकी इच्छा के अनुसार पहचान सार्वजनिक न हो।



फास्ट न्यूज

गगनयान ने मॉड्यूल अलग करने का टेस्ट पास किया

नई दिल्ली। ISRO ने गगनयान कार्यक्रम के क्रू मॉड्यूल (CM) और सर्विस मॉड्यूल (SM) को अलग करने वाले सिस्टम की टेस्टिंग पूरी कर ली है। इसके बाद इस सिस्टम के डिजाइन की क्षमता की पुष्टि हुई है। ये परीक्षण तिरुवनंतपुरम स्थित विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर (VSSC) में किए गए।

दिल्ली से दुबई जाने वाली फ्लाइट से पक्षी टकराया

नई दिल्ली। दिल्ली से दुबई जाने वाली एमिरेट्स की फ्लाइट EK 517 टेकऑफ के दौरान एक पक्षी से टकरा गई। जिसके चलते विमान के आगे का हिस्सा पिचक गया। फ्लाइट को शाम 4:25 बजे उड़ान भरनी थी। घटना के बाद एयरपोर्ट पर ग्राउंड स्टाफ ने विमान की पूरी जांच की। वीडियो में एयरपोर्ट कर्मचारी विमान के नोज कोन (अगले हिस्से) की जांच करते नजर आए। बर्ड स्ट्राइक तब होती है जब उड़ान के दौरान या टेकऑफ और लैंडिंग के समय पक्षी विमान से टकराते हैं। इससे विमान के इंजन और विंडशील्ड को नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है।

दिल्ली में डीटीएच बस की टक्कर से 2 की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के आनंद पर्वत इलाके में शनिवार को DTC बस ने तीन दोपहिया वाहनों और एक ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा 212 बस स्टैंड के पास हुआ। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, बस टिकरी बॉर्डर की ओर जा रही थी। बस को एक महिला चला रही थी, जो हादसे के बाद मौके से फरार हो गई।

केरल के पूर्व सीएम को ईडी का समन

मनी लॉन्ड्रिंग-भ्रष्टाचार मामले में दो एफआईआर पहले से दर्ज

नोटिस

तमसा संकेत, एजेंसी



तिरुवनंतपुरम। केरल के पूर्व सीएम पिनाराई विजयन को शनिवार को ED ने समन भेजा। तिरुवनंतपुरम स्थित किराए के घर पर समन का नोटिस चिपकाया। एजेंसी ने उन्हें 23 अक्टूबर को सुबह 11 बजे पेश होकर बयान दर्ज कराने और संबंधित रिकॉर्ड पेश करने को कहा है। विजयन पर दो कंपनियों सीएमआरएल और एक्सालॉजिक के बीच हुए पैसों के लेन-देन में गड़बड़ी का आरोप है। जिसमें से एक कंपनी एक्सालॉजिक उनकी बेटी की है। विजयन पर मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार का आरोप लगा है। इस मामले में केरल विजिलेंस एंड एंटी-करप्शन ब्यूरो ने पहले से ही दो FIR दर्ज की हैं। अब मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ED) के हाथों में है। इससे पहले शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने विजयन की उस तत्काल याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया।

>> (शेष पेज 06 पर)

बच्चों को इंटरनेट से दूर रखना बेतुका : एससी

बाल यौन शोषण कंटेंट हटाने के लिए डेटाबेस बने, 5 साल में केस 26.6 गुना बढ़े

अधिकार

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इंटरनेट का इस्तेमाल करना हर व्यक्ति, यहां तक कि बच्चों का भी मौलिक अधिकार है। बच्चों को इंटरनेट से पूरी तरह दूर रखना बेतुका होगा। कोर्ट ने कहा कि बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा और उनकी आजादी, दोनों का ध्यान रखना जरूरी है। कोर्ट ने कहा- इंटरनेट पर गलत कंटेंट होने के कारण बच्चों के लिए इस पर पूरी तरह पाबंदी लगाना सही नहीं है। ऐसी रोक से बच्चे कम सुरक्षित वेबसाइटों और प्लेटफॉर्म पर जा सकते हैं। ऑनलाइन धमकी या शोषण का सामना करने वाले बच्चे शिकायत करने से भी डर सकते हैं।



कोर्ट ने बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़े ऑनलाइन कंटेंट (CSEAM) को पहचानने और हटाने की व्यवस्था मजबूत करने के लिए केंद्र को नेशनल डेटाबेस बनाने का निर्देश दिया है। सोशल मीडिया कंपनियों को भी ऐसा कंटेंट हटाने के दो घंटे के भीतर पुलिस या साइबर क्राइम पोर्टल को रिपोर्ट देनी होगी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने डेटाबेस में दर्ज सामग्री की सही पहचान करने के लिए कई निर्देश दिए हैं। बच्चों को उनकी उम्र के हिसाब से सहमति, स्वस्थ रिश्तों, सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श, ऑनलाइन शोषण और उसकी शिकायत करने के तरीकों के बारे में बताया जाना चाहिए। कोर्ट ने नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (NCERT) और राज्य की शैक्षिक संस्थाओं से कहा कि वे बाल मनोवैज्ञानिकों, शिक्षकों और अभिभावक विशेषज्ञों की मदद से पढ़ाई की सामग्री तैयार करें। कोर्ट ने पेड और सब्सक्रिप्शन वाली वेबसाइटों और सेवाओं की सख्ती से जांच करने को कहा है। यह सुनिश्चित करना होगा कि इनके जरिए बच्चों के यौन शोषण से जुड़ा या अन्य प्रतिबंधित कंटेंट न दिखाया जाए और न फैलाया जाए। कोर्ट ने केंद्र सरकार से यह भी विचार करने को कहा है कि ऐसी सामग्री से कमाई गई रकम जब्त करके वापस ली जा सकती है या नहीं। केंद्र सरकार को कोर्ट के निर्देश लागू करने के लिए जरूरी नियम और काम करने का तरीका तय करना होगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

5 साल में बच्चों की अश्लील सामग्री से जुड़े मामले 26.6 गुना बढ़े

गृह मंत्रालय की ओर से 29 जुलाई 2025 को लोकसभा में पेश NCRB के आंकड़ों के मुताबिक, बच्चों की अश्लील तस्वीरों और वीडियो से जुड़े मामले 2018 में 44 थे, जो 2022 में बढ़कर 1,171 हो गए। यानी 26.6 गुना बढ़े। वहीं, बच्चों के खिलाफ दर्ज साइबर अपराध के मामले 2018 में 232 थे, जो 2022 में बढ़कर 1,823 हो गए। हालांकि, केंद्र ने 2022 के बाद का डेटा रिलीज नहीं किया।

> कोर्ट ने कहा कि सिर्फ तकनीकी इंतजाम बच्चों को इंटरनेट पर सुरक्षित रखने के लिए काफी नहीं हैं। बच्चों को ऑनलाइन खतरों को पहचानना, अपनी निजी जानकारी सुरक्षित रखना और गलत व्यवहार होने पर मदद मांगना भी सिखाना जरूरी है।

बयान : वे समझदार, मस्क विवाद पर असदुद्दीन ने कहा था- मोदी से 100 मतभेद, मगर गोरा हुक्म नहीं दे सकता

विपक्षी नेता ओवैसी से सीखें : रिजिजू

तमसा संकेत, एजेंसी



नई दिल्ली। किरेन रिजिजू ने शनिवार को AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी के मस्क को लेकर दिए बयान की तारीफ की। दरअसल 14 अक्टूबर को एक कार्यक्रम में ओवैसी ने कहा था कि नरेंद्र मोदी से मेरे 100 मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मैं अपने देश और संवैधानिक पद का अपमान बर्दाश्त नहीं करूंगा। हमें दुनिया में सबसे सस्ता डेटा मिल रहा है। कोई गोरा हमें हुक्म नहीं दे सकता। हाल ही में मस्क ने अपने एक पोस्ट में मुकेश अंबानी पर तंज कसते हुए उन्हें 'प्राइम मिनिस्टर अंबानी' लिखा था। इस पोस्ट में उन्होंने अंबानी को भारत का रियल बॉस बताया था। इलॉन मस्क भारत में स्टारलिंक की लॉन्चिंग में हो रही देरी को लेकर पिछले कुछ दिनों से नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। इस देरी के लिए वो रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को जिम्मेदार बता रहे हैं और उनके खिलाफ लगातार सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं।

सरकार बोली स्टारलिंक सहित 3 कंपनियों को लाइसेंस दिए

'इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2026' में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सरकार का रुख साफ किया। उन्होंने बताया कि देश में तीन सैटेलाइट इंटरनेट कंपनियों को लाइसेंस मिल चुके हैं।

1. रिलायंस जियो सैटकॉम
2. भारती एयरटेल सपोर्टेड यूटेलसेट वनवेब
3. इलॉन मस्क की स्टारलिंक

हालांकि, सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि लाइसेंस पाने वाली इन सभी कंपनियों की सिक्योरिटी क्लीयरेंस अभी बाकी है। इसके अलावा सैटेलाइट स्पेक्ट्रम का प्राइसिंग फ्रेमवर्क भी तय किया जा रहा है। सभी जरूरी शर्तें पूरी होने के बाद ही भारत में ये सेवाएं शुरू हो सकेंगी।

स्पेक्ट्रम का आवंटन- सैटेलाइट इंटरनेट चलाने के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी यानी स्पेक्ट्रम की जरूरत होती है। सरकार को तय करना होता है कि कंपनियों को यह कैसे मिलेगा और इसके लिए कितना पैसा देना होगा।

भारत में ₹2200 महीने का डेटा कौन खरीदेगा

इस तर्क का जवाब देते गुए मस्क ने कहा कि एक तरफ वे दावा करते हैं कि स्टारलिंक भारत में जियो के सस्ते प्लान्स का मुकाबला नहीं कर पाएगी। दूसरी तरफ वे यह भी कहते हैं कि स्टारलिंक के आने से कॉम्पिटिशन बढ़ जाएगा।

ये दोनों बातें एक साथ सही नहीं हो सकतीं। सच्चाई यह है कि मार्केट में कॉम्पिटिशन बढ़ने से हमेशा आम ग्राहकों को ही फायदा मिलता है। स्टारलिंक के आने से अंबानी की कंपनी का मुनाफा थोड़ा घट सकता है, लेकिन उनका कारोबार बंद नहीं होगा। जाहिर है, अगर स्टारलिंक भारत में बहुत महंगी होगी तो उसे कोई नहीं खरीदेगा, इसलिए स्पेसएक्स को यहां टिकने के लिए अपनी कीमतें सस्ती रखनी ही पड़ेंगी।

असहमति के साथ सम्मान जरूरी : सीजेआई सूर्यकांत

फैसला देने से पहले सुनें: एनएलएसआइयू समारोह में शामिल

न्याय

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के चीफ जस्टिस (CJI) सूर्यकांत ने शनिवार को लॉ स्टूडेंट से कहा कि आप किसी के साथ असहमत हो सकते हैं लेकिन उसकी गरिमा बनाए रखें। कोई भी फैसला देने से पहले सामने वाले को भी सुनें। CJI नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (NLSIU) बेंगलुरु के 34वें एनुअल दीक्षांत समारोह में शामिल हुए थे।

CJI ने कहा कि कानूनी शिक्षा सिर्फ एकेडमिक नॉलेज तक सीमित नहीं होनी चाहिए। छात्रों को अलग-अलग विचारों को समझना जरूरी है। इससे पहले यूनिवर्सिटी के 700 से ज्यादा मौजूदा और पूर्व छात्रों ने CJI सूर्यकांत को दीक्षांत समारोह में आमंत्रित किए जाने पर आपत्ति जताई थी।

इसके चलते 27 अगस्त को यूनिवर्सिटी ने 12 सितंबर को होना वाला दीक्षांत समारोह रद्द कर दिया था। हालांकि, पिछले महीने यूनिवर्सिटी ने दीक्षांत समारोह रद्द करने का अपना फैसला वापस ले लिया।

>> (शेष पेज 06 पर)



35 लाख अभ्यर्थियों में गुस्सा, आयोग अध्यक्ष बोले- ऑटो सिस्टम से तय हुए

‘यूपी पीईटी एग्जाम का सेंटर 500-600 किमी दूर बनाए’

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। जौनपुर के सिद्धार्थ सिंह को PET (प्रारंभिक पात्रता परीक्षा) देने के लिए 520 किमी दूर मैनपुरी जाना होगा। परीक्षा के लिए उन्हें एक दिन पहले ही घर से निकलने की तैयारी करनी पड़ रही है। प्रयागराज के मोहम्मद रहमान की परेशानी इससे भी ज्यादा है। उनका सेंटर 650 किमी दूर गाजियाबाद में पड़ा है।

ये दो अभ्यर्थियों की कहानी नहीं, बल्कि PET देने जा रहे करीब 35 लाख युवाओं का दर्द है। वो परेशान हैं कि परीक्षा की तैयारी पर फोकस करे या सफर में लगने वाले ज्यादा समय पर। क्योंकि सबके सेंटर 500 से 600 किमी दूर तय कर दिए गए हैं। आयोग के अध्यक्ष सत्यनारायण साबत से सवाल पूछे, उन्होंने कहा कि आयोग परीक्षा में नकल रोकने के लिए कदम उठाता है। परीक्षा केंद्र अब ऑटोमेशन से तय होते हैं। इसलिए इस बार केंद्र थोड़े दूर आवंटित हुए हैं।



PET-2026 की परीक्षा 25, 30 अक्टूबर और 1 नवंबर को होगी। इसमें करीब 35 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की सरकारी नौकरियों के लिए यह प्रारंभिक अर्हता परीक्षा पास करना जरूरी है। इसके बाद ही अभ्यर्थी ग्रुप-बी और ग्रुप-सी के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन कर सकते हैं।

परीक्षा में 10 दिन बचे, कन्फर्म सीट नहीं मिल रही

परीक्षा में अब सिर्फ 10 से 15 दिन का वक्त बचा है। अभ्यर्थियों की शिकायत है कि 500-600 किमी दूर सेंटर होने से ट्रेनों में कन्फर्म टिकट नहीं मिल रहा। कई जिलों के लिए सीधी बस या ट्रेन सुविधा भी नहीं है, जिससे अभ्यर्थियों को एक-दो बार बस या ट्रेन बदलनी पड़ेगी। दूर सेंटर होने की वजह से एक दिन पहले पहुंचना पड़ेगा। आने-जाने का किराया और ठहरने-खाने का खर्च मिलाकर प्रति छात्र 2 हजार रुपए तक का बोझ पड़ेगा। महिला अभ्यर्थियों के सामने दोहरी दिक्कत है, वो घर से बाहर खुद को असुरक्षित महसूस करती हैं।

सिक्किम की आबादी से 5 गुना पीईटी अभ्यर्थी

तीन दिनों तक चलने वाली यह परीक्षा हर दिन दो शिफ्ट में होगी। आयोग ने प्रदेश के 60 जिलों में कुल 1,372 सेंटर बनाए हैं। इस बार रिकॉर्ड 35 लाख 41 हजार 296 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। हर शिफ्ट में औसतन 6 लाख और एक दिन में लगभग 12 लाख अभ्यर्थी परीक्षा देने निकलेंगे। PET परीक्षा देने वाले कुल अभ्यर्थियों की संख्या सिक्किम राज्य की कुल आबादी लगभग 7 लाख से करीब 5-6 गुना ज्यादा है।



क्या परीक्षा के शहर बदले जा सकते हैं? इसका जवाब आयोग के अध्यक्ष ने नहीं दिया।

‘सिर्फ स्क्रीनिंग टेस्ट के लिए इतनी भागदौड़ क्यों’

एडमिट कार्ड जारी होने के बाद से ही अभ्यर्थी सोशल मीडिया पर सेंटर बदलने की मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि PET सिर्फ ग्रुप-B और ग्रुप-C की सरकारी नौकरियों (लेखपाल, जूनियर असिस्टेंट, VDO) के लिए एक शुरुआती स्क्रीनिंग टेस्ट है। यह कोई फाइनल जॉब देने वाली परीक्षा नहीं है, इसलिए इसके लिए अभ्यर्थियों को इतनी दूर भेजने का कोई मतलब नहीं है।

यूपीएससी की तैयारी कर रहे छात्र का शव मिला

किराये के कमरे में रहता था, बिस्तर पर अचेत मिला

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा। लखनऊ में UPSC की तैयारी कर रहे छात्र का कमरे में शव मिला। वह अकेले किराये के कमरे में रहकर पढ़ाई करता था। शनिवार सुबह मकान मालकिन ने छात्र के कमरे में बिस्तर पर अचेत अवस्था में पड़े होने की परिजनों को सूचना दी। ट्रॉमा सेंटर में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। वहीं मकान मालकिन और परिवार के लोगों से पुलिस पुछताछ कर रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। मामला पारा थाना क्षेत्र का है। छात्र 6 महीने से यहां रह रहा था।

सुलतानपुर के रूपीपुर गांव के रहने वाले सौरभ शर्मा लखनऊ के नाजिमनगर में किराये के कमरे में रहकर UPSC की तैयारी कर रहे थे। उनके छोटे भाई सचिन शर्मा के मुताबिक, शनिवार को मकान मालकिन ने सौरभ के कमरे में बिस्तर पर अचेत अवस्था में पड़े होने की सूचना दी। इसके बाद हम लोग कमरे पर पहुंचे। डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सचिन ने बताया कि सौरभ पढ़ाई के सिलसिले में लखनऊ में रह रहे थे। इसके बाद सचिन ने पारा थाने में प्रार्थना पत्र देकर उचित कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।



फास्ट न्यूज

डिवाइडर की रेलिंग तोड़कर पलटी कार, 1 मौत

मोहनलालगंज । लखनऊ में शुक्रवार देर रात करीब डेढ़ बजे तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर की रेलिंग तोड़ते हुए सड़क के दूसरी ओर पलट गई। हादसे में कार सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को पीजीआई स्थित एपेक्स ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने रायबरेली निवासी उत्कर्ष (26) को मृत घोषित कर दिया। चार अन्य घायलों का इलाज चल रहा है।

हजरतगंज में दो पक्षों में मारपीट

लखनऊ । लखनऊ के हजरतगंज में साहू सिनेमा के पास शुक्रवार देर रात खाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। वहां पर आए लोगों ने दुकानदार व अन्य लोगों के साथ जमकर मारपीट की। दबंगों ने दौड़ा-दौड़ा कर हजरतगंज में मारा पीटा। इस दौरान मौके पर पुलिस पहुंची लेकिन दबंग उनके सामने भी मारपीट करते रहे। किसी तरह पुलिस सभी को कंट्रोल कर थाने लेकर गई। हजरतगंज साहू सिनेमा के सामने शुक्रवार रात करीब 11 बजे बवाल हो गया। जिसका वीडियो वहां से गुजर रहे लोगों ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो में साफ तौर पर कई लोग मारपीट करते हुए नजर आ रहे हैं।

लखनऊ में सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित

लखनऊ । लखनऊ में वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सद्भावना समिति की ओर से इस्माइलगंज स्थित होटल डायमंड पैलेस में सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से हुआ। इसमें इंदिरा नगर के ए-ब्लॉक की महिलाओं ने वंदे मातरम् की प्रस्तुति दी।

एमजी बिल्डर्स की डायरेक्टर समेत 7 पर ठगी की एफआईआर

लखनऊ में प्लॉट के नाम पर 80 लाख रुपए लिए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के विभूतिखंड में MG बिल्डर्स की डायरेक्टर सुमिता मिश्रा समेत सात लोगों के खिलाफ प्लॉट के नाम पर करीब 80 लाख रुपए की धोखाधड़ी के आरोप में छह एफआईआर दर्ज की गई हैं। आरोपियों पर 10 लोगों से प्लॉट दिलाने के नाम पर रकम लेने और बाद में रजिस्ट्री नहीं करने का आरोप है। पीड़ितों का कहना है कि रुपए वापस मांगने पर उन्हें धमकाया गया। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने मुकदमे दर्ज किए हैं।

फतेहपुर के आलमपुर सतारा लंगर निवासी प्रियंका उमराव के मुताबिक, 2022 में एक रिश्तेदार ने उनकी मुलाकात एमजी बिल्डर्स के एजेंट प्रियांशु दीक्षित से कराई थी। प्रियांशु ने उन्हें निवेश के लिए प्लॉट खरीदने का सुझाव दिया। सहमति देने पर वह प्रियंका को विभूतिखंड स्थित कंपनी के कार्यालय ले गया।



वहां उनकी मुलाकात निदेशक सुमिता मिश्रा और कर्मचारियों सुचित पांडेय, सौरभ, साक्षी, शशांक सिंह व हिमांशु शर्मा से हुई। आरोप है कि सभी ने उन्हें सरोजनीनगर के पिपरसंड गांव में प्लॉट का नक्शा दिखाकर निवेश के लिए राजी किया। प्रियंका ने 10.11 लाख रुपये में प्लॉट बुक कराया। इसके बाद उनकीब रिश्तेदार रूबी ने 6.40 लाख, सुनीता राय ने 8 लाख, सोनिका ने 2.53 लाख और रश्मि ने 7 लाख रुपये में प्लॉट बुक कराया। सभी ने कंपनी में रकम जमा कर दी, लेकिन उनके नाम रजिस्ट्री नहीं की गई। अन्य लोगों से भी लाखों रुपए लिए

एंबुलेंस और रेस्क्यू वाहन, हाईवे-एक्सप्रेसवे पर दुर्घटना संभावित जगहों पर रहेंगे तैनात

हाईवे-एक्सप्रेसवे पर बढ़ेगी सुरक्षा

- सड़क हादसों को रोकने के लिए अनफिट और असुरक्षित वाहनों पर होगी कार्रवाई
- कोहरे में सड़क सुरक्षा के लिए रिफ्लेक्टिव संकेतक और सफेद पट्टियां सही करने के निर्देश
- राहत आयुक्त के निर्देश, सड़क सुरक्षा व्यवस्था की नियमित जांच और कमियां तत्काल दूर करने पर जोर



तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शीतलहर और घने कोहरे के दौरान हादसों पर अंकुश लगाने के लिए योगी सरकार ने सड़क सुरक्षा के इंतजाम मजबूत करने की तैयारी शुरू कर दी है। राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर दुर्घटना संभावित स्थलों के आस-पास पर्याप्त संख्या में पेट्रोलिंग वाहन, एंबुलेंस और रेस्क्यू वाहन उपलब्ध रखने पर विशेष जोर दिया गया है, ताकि हादसा होने की स्थिति में घायलों को तत्काल सहायता और समय पर चिकित्सा सुविधा मिल सके। राहत आयुक्त डॉ. हृषिकेश यशोद ने संबंधित विभागों और कार्यदायी संस्थाओं को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रमुख चौराहों, तिराहों, क्रॉसिंग, मोड़ों और दुर्घटना संभावित स्थलों पर स्टॉप लाइन, जेब्रा क्रॉसिंग व यातायात संकेतकों को दुरुस्त रखा जाएगा। जरूरत के अनुसार चेतावनी संकेतक और गति सीमा से जुड़े बोर्ड भी लगाए जाएंगे। इन व्यवस्थाओं से कोहरे के दौरान वाहन चालकों को सड़क की स्थिति और संभावित खतरों के बारे में समय रहते जानकारी मिल सकेगी। राहत आयुक्त ने निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं चलने वाले अनफिट वाहनों और जुगाड़

दुर्घटना संभावित स्थलों पर तैनात रहेंगे एंबुलेंस और रेस्क्यू वाहन

राहत आयुक्त ने राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर दुर्घटना संभावित स्थलों के आस-पास पर्याप्त संख्या में पेट्रोलिंग वाहन, एंबुलेंस और रेस्क्यू वाहन उपलब्ध रखने के निर्देश दिए हैं। इसका उद्देश्य हादसे की स्थिति में घायलों तक जल्द पहुंचना और उन्हें बिना देरी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। सर्दियों में घने कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में राहत एवं बचाव व्यवस्था को पहले से तैयार रखना महत्वपूर्ण है।



रिफ्लेक्टिव संकेतक और सफेद पट्टियां स्पष्ट रखने के निर्देश

सड़क सुरक्षा के लिए हाईवे और एक्सप्रेसवे पर लगे रिफ्लेक्टिव चिह्नों, कैट्स आई, दिशासूचक बोर्ड और अन्य संकेतकों की नियमित जांच करने के लिए कहा गया है। राहत आयुक्त ने सड़क की बॉर्डर लाइन और मध्य रेखा पर बनी सफेद पट्टियों को स्पष्ट रखने के निर्देश दिए हैं। धूल से ढकी, मिट चुकी या उखड़ी पट्टियों का तत्काल नवीनीकरण कराया जाएगा, ताकि कम दृश्यता के दौरान वाहन चालकों को सड़क की सीमा और दिशा समझने में परेशानी न हो।

सीएचसी के रूप में उच्चीकृत होंगे जलभराव प्रभावित क्षेत्र के भी पीएचसी, 132 केवीए का नया सब स्टेशन बनेगा

फैजुल्लागंज को हर साल की बाढ़ से मिलेगी स्थायी मुक्ति

- रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उच्चस्तरीय बैठक में राजधानी को जलभराव से बचाने का बड़ा रोडमैप तैयार
- गोमती के बैकफ्लो को रोकने के लिए लगेंगे 12 नए फ्लड पंपिंग स्टेशन, न्याय विहार से एल्डिको ड्रेन तक बिछेगा जल निकासी का नेटवर्क
- फैजुल्लागंज में शीघ्र खुलेगा प्री-प्राइमरी से 12वीं तक का एक नया शैक्षणिक संस्थान
- प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छता, फॉगिंग और स्वास्थ्य सेवाओं को युद्धस्तर पर जारी रखने के मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

आईआईएम रोड से पक्कापुल तक बनेगा 5.5 किमी लंबा तटबंध

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के फैजुल्लागंज में इस वर्ष अतिवृष्टि के कारण हुए जलभराव जैसी समस्या भविष्य में न हो, इसके लिए राज्य सरकार ने बड़ी तैयारी शुरू कर दी है। शनिवार को रक्षामंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वपूर्ण बैठक में यह तय हुआ कि आईआईएम रोड से पक्कापुल तक गोमती नदी के बाएं तट पर लगभग 5.5 किलोमीटर लंबे तटबंध का निर्माण कराया जाएगा। यही नहीं, गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने पर नालों से पानी की निकासी बाधित होने की समस्या के समाधान के लिए 12 नए पंपिंग स्टेशन भी स्थापित किए जाएंगे और न्याय विहार से एल्डिको ड्रेन तक जल निकासी का



विस्तृत नेटवर्क तैयार किया जाएगा। सिंचाई, नगर विकास, आवास, स्वास्थ्य, राजस्व और ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री और रक्षामंत्री ने बाढ़ एवं जलभराव प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति, राहत एवं बचाव कार्यों तथा समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रस्तावित परियोजनाओं की समीक्षा की। बैठक में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, स्थानीय विधायक डॉ. नीरज बोरा और महापौर सुषमा खर्कवाल भी उपस्थित रहीं। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन द्वारा अब तक किए गए राहत प्रयासों के लिए आभार भी जताया। बैठक में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने लखनऊ में भविष्य के दृष्टिगत पेयजल की उपलब्धता का आकलन करते हुए आवश्यक प्रबंध करने की जरूरत बताई। विधायक नीरज बोरा ने फैजुल्लागंज क्षेत्र के प्रभावित परिवारों की समस्याओं से अवगत कराते हुए सीवरेज व्यवस्था को दुरुस्त करने, एसटीपी की आवश्यकता और ट्रांसफार्मरों के सुधार की जरूरत पर बल दिया। महापौर सुषमा खर्कवाल ने बताया कि क्षेत्र में लगभग 6,500 घर प्रभावित हुए हैं और नगर निगम प्रशासन प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद पहुंचाने के लिए 24×7 तत्पर है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली के बुनियादी ढांचे का होगा कायाकल्प

मुख्यमंत्री ने रक्षामंत्री द्वारा रखे गए बिंदुओं पर त्वरित कार्यवाही के निर्देश देते हुए कहा कि आपदा की इस घड़ी में सरकार हर प्रभावित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। क्षेत्र के समग्र विकास पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि फैजुल्लागंज में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए शीघ्र ही प्री-प्राइमरी से लेकर 12वीं कक्षा तक के एक नए समन्वित शैक्षणिक संस्थान की स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही, उन्होंने क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए जलभराव प्रभावित क्षेत्र के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के रूप में उच्चीकृत करने तथा निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए 33 केवीए के स्थान पर 132 केवीए का नया सब-स्टेशन स्थापित करने के भी निर्देश दिए।

एलयू में हॉस्टल आवंटन के खिलाफ धरने पर बैठे छात्र

पात्रों को मेरिट पर हॉस्टल देने की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में हॉस्टल आवंटन में कथित धांधली और भेदभाव के आरोपों को लेकर छात्रों का अनिश्चितकालीन धरना शनिवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। छात्रों का कहना है कि अब तक विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से उनकी मांगों पर कोई उचित जवाब नहीं दिया गया है। उन्होंने खाली सीटों का हिसाब सार्वजनिक करने और मेरिट के आधार पर पात्र छात्रों को हॉस्टल आवंटित करने की मांग की।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने कहा कि हॉस्टल आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता होनी चाहिए। पात्र होने के बावजूद जिन छात्रों को हॉस्टल नहीं मिला है, उन्हें आवंटन दिया जाए। छात्रों ने आरोप लगाया कि मौजूदा प्रक्रिया से उनके साथ अन्याय हो रहा है। छात्रों ने साफ किया कि जब तक विश्वविद्यालय प्रशासन अपनी गलती नहीं सुधारता और पात्र छात्रों को हॉस्टल आवंटित नहीं करता, तब तक अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। उन्नाव के पुरनखेड़ा, त्रिपुरारपुर निवासी कार्तिकेय पटेल ने एमए लोक प्रशासन में 19वीं रैंक हासिल की है। इसके बावजूद उन्हें छात्रावास आवंटित नहीं हुआ है। विद्यार्थियों का कहना है कि अच्छे शैक्षणिक प्रदर्शन और दूर-दराज से आकर पढ़ाई करने के बावजूद छात्रावास नहीं मिलने से उनकी पढ़ाई और रहने की व्यवस्था प्रभावित हो रही है।



वारदात : एक आंख की रोशनी गई, शरीर के कई हिस्से झुलसे, अवैध संबंध का शक था

चाचा ने सोते समय भतीजे पर तेजाब फेंका

तमसा संकेत, एजेंसी

मॉल (मलिहाबाद), लखनऊ। लखनऊ में अवैध संबंधों के शक में एक व्यक्ति ने अपने मुंहबोले भतीजे पर सोते समय तेजाब फेंक दिया। हमले में युवक के शरीर के कई हिस्से झुलस गए, जबकि उसकी एक आंख भी खराब हो गई। उसके प्राइवेट पार्ट पर भी गहरे घाव हैं। युवक को पहले मलिहाबाद सीएचसी ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत में केजीएमयू रेफर कर दिया गया।

घटना रहीमाबाद में गुरुवार देर रात की है। पीड़ित के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी राजेंद्र कुमार उर्फ राजन रावत को गिरफ्तार कर लिया। शनिवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया



गया। आरोप है कि कुछ देर बाद राजन तेजाब से भरा प्लास्टिक का डिब्बा लेकर पहुंचा और सोते समय मनीष पर तेजाब फेंक दिया। मनीष की आंख खुली, लेकिन तब तक उसके शरीर के कई हिस्से झुलस चुके थे। तेजाब के छींटे राजन की पत्नी पर भी पड़े, जिससे उसके हाथ में घाव हो गया। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल मनीष को मलिहाबाद सीएचसी पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उसे केजीएमयू रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान उसकी एक आंख खराब होने की बात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे मनीष पर अपनी पत्नी से अवैध संबंध होने का शक था। इसी शक के चलते उसने करीब दो साल पहले बैटरी की दुकान से लगभग आधा लीटर तेजाब भरकर रखा था। आरोपी ने दावा किया कि गुरुवार रात उसने मनीष को पत्नी के साथ आपत्तिजनक हालत में देख लिया था।

पति-पत्नी के बीच कहासुनी

संत नगर निवासी मुनेश्वर के मुताबिक, उनके भाई मनीष की पड़ोस में रहने वाले राजेंद्र कुमार उर्फ राजन रावत से अच्छी दोस्ती थी। दोनों मुंडन, शादी और बारात जैसे कार्यक्रमों में कैटरिंग का काम करते थे। दोस्ती के चलते मनीष अक्सर राजन के घर पर ही रुक जाता था।

गुरुवार देर रात मनीष राजन के घर के कमरे में लेटा था। इस दौरान राजन और उसकी पत्नी के बीच कहासुनी हुई। मनीष ने दोनों को समझाने का प्रयास किया। मामला शांत होने के बाद वह चादर ओढ़कर सो गया।



पुलिस ने आरोपी राजेंद्र कुमार को गिरफ्तार किया।

पीड़ित के पिता बाराती लाल की तहरीर पर रहीमाबाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी को गांव से करीब एक किलोमीटर दूर चिहूंटा गांव के पास से गिरफ्तार किया। शनिवार को उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

दशहरे की तैयारी तेज रावण के 200 पुतले तैयार

कहीं 4 तो कहीं 40 फीट के रावण, ऊंचाई से तय हो रही कीमत

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में नवरात्रि के साथ दशहरे की तैयारियां भी तेज हो गई हैं। शहर में जगह-जगह दुर्गापूजा और रामलीला का मंचन हो रहा है। दशहरा नजदीक आते ही शहर में रावण के पुतले तैयार करने का काम तेज हो गया है। पॉलिटेक्निक चौराहे से लेकर डालीगंज बांस मंडी और पुरनिया तक कारीगर दिन-रात पुतले बनाने में जुटे हैं। कहीं 4 फीट का रावण तैयार हो रहा है तो कहीं 32 से 40 फीट तक के पुतलों के ऑर्डर मिले हैं। कारीगरों के मुताबिक, अब तक छोटे-बड़े मिलाकर करीब 200 पुतले तैयार हो चुके हैं। इनकी ऊंचाई 4 से 40 फीट तक है। कुछ कारीगर 80 फीट तक के पुतले



बनाने की क्षमता भी बताते हैं। कीमत 100 रुपए से शुरू होकर 20 हजार रुपए या इससे अधिक तक पहुंचती है। पुतले का आकार, गोलाई और ग्राहक की मांग कीमत तय करते हैं। डालीगंज में यह काम करीब 100 से 150 साल से चला आ रहा है।

पॉलिटेक्निक चौराहे के पास राजा भैया सात साल से पुतले बना रहे हैं। उनके यहां चार से 20 फीट तक के पुतले तैयार होते हैं। कीमत 200 रुपए से शुरू होकर 10 हजार रुपए तक जाती है। ग्राहक की जरूरत के अनुसार पुतला तैयार कर सौंप दिया जाता है। इसी क्षेत्र में काम करने वाले मोबीन ने बताया कि उनकी टीम पांच से 80 फीट तक के पुतले बना सकती है। हालांकि, अब तक अधिकतम 20 फीट का पुतला तैयार किया गया है। उनके मुताबिक, 20 फीट के पुतले की कीमत करीब 10 हजार रुपए से शुरू होती है।

मोबीन ने बताया कि उनकी टीम पांच से 80 फीट तक के पुतले बना सकती है। हालांकि, अब तक अधिकतम 20 फीट का पुतला तैयार किया गया है।

बीएससी कृषि के छात्रों ने कार्यालय पर दो घंटे किया प्रदर्शन, परीक्षा नियंत्रक को खोजने पर रखा 11 रुपये का इनाम

रिजल्ट की गड़बड़ी पर भड़के छात्र

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में परीक्षा परिणामों में कथित गड़बड़ियों को लेकर छात्रों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। शनिवार को बीएससी कृषि के छात्रों ने अपनी समस्याओं को लेकर परीक्षा नियंत्रक कार्यालय पर जमकर प्रदर्शन किया। गुस्साए छात्रों ने कार्यालय के गेट पर परीक्षा नियंत्रक के लापता होने के पोस्टर चिपका दिए। इतना ही नहीं, छात्रों ने परीक्षा नियंत्रक को खोजकर लाने वाले के लिए 11 रुपये का इनाम भी घोषित कर दिया। करीब दो घंटे तक चले प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए परीक्षा परिणामों में सुधार की मांग उठाई। छात्रों का आरोप है कि विश्वविद्यालय में



परीक्षा परिणाम तैयार करने की प्रक्रिया में लगातार लापरवाही बरती जा रही है। इसके चलते विद्यार्थियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसी छात्र को परीक्षा में शामिल होने के बावजूद अनुपस्थित दिखा दिया गया, तो किसी के अंक कम कर दिए गए। कई विद्यार्थियों के परिणाम अब तक लंबित हैं। वहीं, कुछ छात्रों ने बिना दोबारा परीक्षा कराए ही फेल घोषित किए जाने की शिकायत भी की। इन समस्याओं को लेकर छात्र परीक्षा नियंत्रक से मुलाकात करना चाहते थे, लेकिन उनके नहीं मिलने पर नाराजगी और बढ़ गई।

छात्रों ने आरोप लगाया कि वे अपनी समस्याओं को लेकर बार-बार विश्वविद्यालय पहुंचते हैं, लेकिन उनकी शिकायतों का समय पर समाधान नहीं किया जाता। परीक्षा परिणामों में गड़बड़ियों के कारण विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। इसके बावजूद विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। इसी नाराजगी को जाहिर करने के लिए छात्रों ने पोस्टर लगाकर और प्रतीकात्मक इनाम घोषित करके विरोध प्रदर्शन किया।

एनएसयूआई छात्र नेता ने रिजल्ट तैयार करने वाली एजेंसी पर उठाए सवाल

प्रदर्शन में शामिल एनएसयूआई के छात्र नेता अंकुश गौतम ने विश्वविद्यालय के परीक्षा परिणामों पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय में लगातार अलग-अलग पाठ्यक्रमों के रिजल्ट में गड़बड़ियां सामने आ रही हैं। उनका कहना था कि विश्वविद्यालय का कोई भी परीक्षा परिणाम उठाकर देख लिया जाए, उसमें कोई न कोई समस्या मिल जाएगी। अंकुश गौतम के मुताबिक, पहले बीयूएमएस, फिर बीएएलएलबी, उसके बाद बीए और अब बीएससी कृषि के परीक्षा परिणामों में गड़बड़ियों की शिकायतें सामने आई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय के परीक्षा परिणाम तैयार करने वाली एजेंसी अपना काम ठीक ढंग से नहीं कर रही है। इसके कारण छात्रों को परेशानी झेलनी पड़ रही है और उन्हें अपने ही परिणामों में सुधार कराने के लिए विश्वविद्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।



परीक्षा नियंत्रक कार्यालय के गेट पर चिपकाए लापता के पोस्टर

प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने अनोखे तरीके से अपना विरोध दर्ज कराया। उन्होंने परीक्षा नियंत्रक कार्यालय के गेट पर लापता होने के पोस्टर चिपकाए। इसके साथ ही परीक्षा नियंत्रक को ढूंढकर लाने पर 11 रुपये का इनाम रखने की घोषणा की। छात्रों का कहना था कि जब विद्यार्थियों को अपने रिजल्ट से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए विश्वविद्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, तो उनकी शिकायतों को सुनने और उनका निस्तारण करने की जिम्मेदारी निभाने वाले अधिकारी उपलब्ध नहीं हो रहे हैं।

पंपिंग सेट के पट्टे में फंसी महिला की साड़ी

रायबरेली। रायबरेली के भगत खेड़ा गांव में घास काटते समय एक महिला पंपिंग सेट के पट्टे में फंसकर गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया।

दरअसल, तिलेंडा गांव निवासी फूलमती पत्नी संतलाल अपने खेत में पंपिंग सेट से पानी लगाए जाने के दौरान पास में घास काट रही थीं। इसी दौरान उनकी साड़ी अचानक पंपिंग सेट के घूमते पट्टे में फंस गई। इससे वह घायल हो गईं। घटना के बाद परिजन तुरंत उन्हें उपचार के लिए सीएचसी बछरावां ले गए।

डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार दिया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उन्हें लखनऊ के ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष श्याम कुमार पाल ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उन्नाव विधायक ने 5100 कन्याओं का पूजन किया

कन्याओं को चुनरी ओढ़ाकर भेंट किए उपहार और प्रसाद

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। शारदीय नवरात्र के अवसर पर पुरवा विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को भक्ति और सेवा का संगम देखने को मिला। भाजपा विधायक अनिल सिंह ने अपने कंचनपुर स्थित कार्यालय में भव्य कन्या पूजन और विशाल कन्या भोज का आयोजन किया।

इसमें 5100 से अधिक कन्याओं का पूजन कर आशीर्वाद लिया गया। विधायक अनिल सिंह ने अपनी पत्नी कल्पना सिंह और बेटे अक्षय प्रताप सिंह के साथ कन्याओं का विधि-विधान से पूजन किया।

उन्होंने कन्याओं के चरण वंदन कर तिलक लगाया, आरती उतारी और चुनरी ओढ़ाकर उपहार व प्रसाद भेंट किया। इसके बाद कन्या भोज भी हुआ। इस दौरान विधायक अनिल सिंह भावुक हो गए। उन्होंने मां भगवती के प्रति





आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके जीवन में जो कुछ भी है, वह माता की कृपा से ही मिला है। उन्होंने पुरवा की जनता को अपना परिवार बताया और उनका आभार जताया।

फास्ट न्यूज

एडीएम और एएसपी ने कल्याणी नदी घाट का निरीक्षण किया

बाराबंकी। बाराबंकी में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन से पहले शनिवार 2:30 बजे को अपर जिलाधिकारी निरंकार सिंह और अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी रितेश कुमार सिंह ने कल्याणी नदी घाट का निरीक्षण किया। यह घाट रामसनेहीघाट तहसील के बुढ़वा बाबा मंदिर के पास है। अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

अखिलेश के गन्ना भुगतान वादे पर सतीश शर्मा का पलटवार

बाराबंकी। बाराबंकी में सेवा संकल्प अभियान का समापन हुआ। इस दौरान प्रदेश सरकार के खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण बांटे। उन्होंने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के गन्ना किसानों को 24 घंटे में भुगतान के वादे पर पलटवार किया। सतीश शर्मा ने कहा कि सपा सरकारें किसानों को सही दाम देने में नाकाम रहीं और कर्जमाफी के नाम पर गुमराह किया। उन्होंने दावा किया कि योगी सरकार ने 16 लाख से ज्यादा किसानों के नलकूपों का बिजली बिल मुफ्त किया है।

9 करोड़ की जेल रोड 2 महीने में उखड़ी

रायबरेली। रायबरेली की व्यस्त जेल रोड पर जिला कारागार के मुख्य गेट के पास सड़क का एक हिस्सा फिर टूट गया है। हादसे की आशंका को देखते हुए यहां बैरिकेडिंग लगाई गई है। इससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है और लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। करीब 9 करोड़ रुपये की लागत से बनी इस सड़क की हालत निर्माण के कुछ समय बाद हुई पहली बारिश में ही बिगड़ने लगी थी।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम-एसएसपी ने सुनीं जनसमस्याएं

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को किया जागरूक

महिलाओं एवं बालिकाओं को अधिकारों और सरकारी सुरक्षा योजनाओं की दी जानकारी, शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। तहसील सदर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने संयुक्त रूप से जनसुनवाई कर लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान मिशन शक्ति फेज-6.0 अभियान के अंतर्गत नारी सुरक्षा एवं सशक्तीकरण पर विशेष जोर दिया गया। जनसुनवाई के दौरान अधिकारियों ने आमजन की शिकायतों और प्रार्थना-पत्रों को



गंभीरता से सुना। जिलाधिकारी एवं एसएसपी ने संबंधित अधिकारियों को सभी शिकायतों का नियमानुसार, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम का उद्देश्य जनसमस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के साथ महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने और उन्हें सशक्त बनाना रहा।

महिलाओं को अधिकारों के प्रति किया जागरूक

मिशन शक्ति अभियान के तहत आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सलोनी गौतम और क्षेत्राधिकारी नगर आशना चौधरी ने भी प्रतिभाग किया।

उन्होंने उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, शासन की सुरक्षा योजनाओं और आत्मनिर्भरता के महत्व की जानकारी दी।

साथ ही महिलाओं को जागरूक होकर अपने अधिकारों का उपयोग करने तथा किसी भी समस्या की स्थिति में संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया।

शादी का झांसा देकर डेढ़ साल तक किया शोषण, हिरासत में आरोपी

नेपाली-महिला ने हरदोई के युवक पर लगाया शारीरिक-शोषण का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहाँ नेपाल की एक विवाहिता ने पिहानी कस्बे के रहने वाले एक युवक पर शादी का झांसा देकर डेढ़ साल तक शारीरिक शोषण करने का गंभीर आरोप लगाया है। शुक्रवार देर रात एक होटल में हुए विवाद के बाद शनिवार सुबह होटल के बाहर दोनों ने जमकर हंगामा किया, जिसके बाद पुलिस ने हस्तक्षेप कर दोनों को कोतवाली ले आई। जानकारी के अनुसार, नेपाल के कंचनपुर जिले के बलौरी दीनापुर गोड़ निवासी 28 वर्षीय पीड़ित महिला पहले से विवाहित हैं। वह पिछले पांच साल से अपने पति से अलग मायके में



रह रही हैं और उनकी एक 6 साल की पुत्री भी है। करीब डेढ़ साल पहले पति से हुए विवाद के दौरान महिला के सिर में चोट लग गई थी। इलाज के लिए वह भारत के लखीमपुर स्थित पलिया कस्बे के एक अस्पताल में आई थीं।

महिला का नेपाल से हरदोई आना-जाना शुरू हो गया था

पीड़िता का आरोप है कि इस दौरान अस्पताल संचालक के दोस्त और पिहानी निवासी युवक से उसकी मुलाकात हुई। युवक ने उसे शादी का झांसा देकर प्रेम जाल में फंसाया और शारीरिक संबंध बनाए। इस दौरान आरोपी ने अपनी उंगली काटकर खून निकाला और उसी खून से महिला की मांग भरी थी। इसके बाद से दोनों पति-पत्नी की तरह लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे और महिला का नेपाल से हरदोई आना-जाना शुरू हो गया था। हालांकि, जब पीड़ित महिला ने उससे औपचारिक रूप से शादी करने की जिद की, तो आरोपी व उसकी बहन ने हिंदू होने का ताना देकर शादी से इनकार कर दिया।

आरोपी के अन्य परिजनों से संपर्क करने पर उन्होंने भी यही तर्क दिया। पीड़िता ने बताया कि वह 15 अक्टूबर को नेपाल से हरदोई आरोपी से मिलने आई थी। शुक्रवार की रात आरोपी उसे शहर के एक होटल में ले गया, जहां शादी की बात पर फिर विवाद हुआ और दोनों के बीच मारपीट हो गई।

कीचड़ में 900 मीटर पैदल चली गर्भवती

गांव के बाहर खड़ी रही एंबुलेंस, परेशान ग्रामीण बोले- डीएम साहब, सलेमपुर की सड़क बनवा दीजिए

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के अहिरोरी विकासखंड की ग्राम पंचायत डही के मजरा सलेमपुर में बदहाल सड़क ने स्वास्थ्य सेवाओं के दावों की पोल खोल दी। शुक्रवार दोपहर तबीयत बिगड़ने पर गर्भवती सरिता के घर तक एंबुलेंस नहीं पहुंच सकी। करीब 900 मीटर लंबा रास्ता कीचड़ और जलभराव से पटा होने के कारण एंबुलेंस गांव के बाहर ही खड़ी रही। ऐसे में परिजनों को गर्भवती महिला को कीचड़ भरे रास्ते पर पैदल ले जाना पड़ा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया।

घटना का वीडियो वायरल होने के बाद शुक्रवार शाम कांग्रेस जिलाध्यक्ष विक्रम पांडे और शहर अध्यक्ष अनुपम दीक्षित गांव पहुंचे। दोनों नेताओं ने बदहाल सड़क का





जायजा लिया और पीड़ित परिवार समेत ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने जिम्मेदार अधिकारियों से मार्ग का तत्काल पक्का निर्माण कराने की मांग की। ग्रामीणों के मुताबिक, सलेमपुर को जोड़ने वाला करीब 900 मीटर लंबा मार्ग लंबे समय से उपेक्षा का शिकार है। बारिश के दिनों में कीचड़ और जलभराव के चलते दोपहिया और चारपहिया वाहनों का निकलना मुश्किल हो जाता है।

इसका सबसे ज्यादा खामियाजा मरीजों, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को भुगतना पड़ता है। शुक्रवार को एंबुलेंस के गांव तक नहीं पहुंच पाने से आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच पर भी सवाल खड़े हुए। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से सड़क का जल्द निर्माण कराने की मांग की है।

बारिश में ठप हो जाता है आवागमन, मरीजों को सबसे ज्यादा परेशानी

ग्रामीणों के मुताबिक, सलेमपुर को जोड़ने वाला करीब 900 मीटर लंबा मार्ग लंबे समय से उपेक्षा का शिकार है। बारिश के दिनों में कीचड़ और जलभराव के चलते दोपहिया और चारपहिया वाहनों का निकलना मुश्किल हो जाता है। इसका सबसे ज्यादा खामियाजा मरीजों, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को भुगतना पड़ता है। शुक्रवार को एंबुलेंस के गांव तक नहीं पहुंच पाने से आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच पर भी सवाल खड़े हुए। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से सड़क का जल्द निर्माण कराने की मांग की है।





महिला की परेशानी देख भड़के ग्रामीण, किया पैदल मार्च

गर्भवती महिला को कीचड़ से गुजरते देख ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। नाराज ग्रामीणों ने एकजुट होकर उसी जर्जर रास्ते पर पैदल मार्च किया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की मांग उठाते हुए कहा, हरदोई डीएम साहब, सलेमपुर की सड़क बनवा दीजिए। उनका कहना है कि लंबे समय से सड़क की हालत खराब है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो रहा है।

रास्ते में पानी डालने पर दंपती को जमकर पीटा

उन्नाव में 4 लोगों पर एफआईआर दर्ज

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में माखी थाना क्षेत्र में रास्ते की सफाई के लिए पानी डालने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि पड़ोसी ने अपने परिजनों के साथ मिलकर दंपती की पिटाई कर दी। मारपीट में पति-पत्नी घायल हो गए। घटना का वीडियो शनिवार दोपहर करीब एक बजे सोशल मीडिया पर सामने आया है। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजने के बाद चार लोगों के खिलाफ मारपीट और धमकी देने की प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोरारी कलां गांव निवासी सुनील ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि पड़ोसी विनोद के शौचालय का पानी रास्ते में बहता है। आरोप है कि दबंगई के चलते गांव के लोग इस पर कुछ कहने से बचते हैं। सुनील के मुताबिक, शुक्रवार सुबह उन्होंने



रास्ते की सफाई करने के लिए पानी डाला था। इसी बात को लेकर विनोद गाली-गलौज करने लगा। सुनील ने आरोप लगाया कि गाली-गलौज का विरोध करने पर विनोद, उसके बेटे सचिन और शुभम तथा पत्नी उमाकांती ने मिलकर उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि चारों ने ईंट-पत्थर और लात-घूंसों से हमला किया। पति को बचाने पहुंची पत्नी कांती को भी आरोपियों ने पीट दिया। मारपीट में दोनों घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

निरीक्षण : उन्नाव में डीआरएम ने निर्माण की रफ्तार बढ़ाने के दिए निर्देश, नेपाली युवक की मौत की रिपोर्ट

मार्च तक स्टेशन का कायाकल्प

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के डीआरएम सुनील कुमार वर्मा ने शनिवार को उन्नाव रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लखनऊ-कानपुर रेलखंड पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के साथ अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति देखी। अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक में उन्होंने निर्माण से जुड़ी तकनीकी दिक्कतों को समय से दूर करने और काम में देरी न होने देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान रेलवे ट्रैक की प्रस्तावित परियोजना और आरपीएफ हिरासत में नेपाली युवक की मौत का मामला भी उठा। स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत दो



मार्च तक काम पूरा कराने के निर्देश

डीआरएम ने विकास कार्यों को चालू वित्तीय वर्ष में मार्च तक पूरा करने का लक्ष्य बताया। उन्होंने अधिकारियों को जरूरी ड्राइंग और तकनीकी समस्याओं का समय से समाधान कराने को कहा। साथ ही निर्माण कार्यों की लगातार निगरानी करने और अनावश्यक देरी से बचने के निर्देश दिए। रेलवे का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

मंजिला भवन बनाया जा रहा है। डीआरएम के मुताबिक, भवन के ग्राउंड फ्लोर की कास्टिंग पूरी हो चुकी है, जबकि ऊपरी मंजिल की कास्टिंग का काम चल रहा है। उन्होंने निर्माण की प्रगति और तकनीकी जरूरतों की जानकारी ली। लखनऊ-कानपुर रेलखंड के निरीक्षण के दौरान आरपीएफ हिरासत में नेपाली नागरिक की मौत का मामला भी उठाया गया। सवाल किया गया कि हिरासत के दौरान युवक तक नुकीली या धारदार वस्तु कैसे पहुंची और निगरानी के बावजूद उसकी मौत कैसे हुई। डीआरएम ने कहा कि वह इस मामले में आरपीएफ कमांडेंट से बात कर विस्तृत जानकारी लेंगे। उन्होंने फिलहाल किसी अधिकारी की लापरवाही या कार्रवाई की पुष्टि नहीं की।

नेपाली युवक की मौत पर आरपीएफ से बात करेंगे डीआरएम

लखनऊ-कानपुर रेलखंड के निरीक्षण के दौरान आरपीएफ हिरासत में नेपाली नागरिक की मौत का मामला भी उठाया गया। सवाल किया गया कि हिरासत के दौरान युवक तक नुकीली या धारदार वस्तु कैसे पहुंची और निगरानी के बावजूद उसकी मौत कैसे हुई। डीआरएम ने कहा कि वह इस मामले में आरपीएफ कमांडेंट से बात कर विस्तृत जानकारी लेंगे। उन्होंने फिलहाल किसी अधिकारी की लापरवाही या कार्रवाई की पुष्टि नहीं की।



रेलवे ट्रैक की प्रस्तावित परियोजना पर मांगी जानकारी

निरीक्षण के दौरान रेलवे ट्रैक से जुड़ी एक प्रस्तावित परियोजना का मुद्दा भी उठा। बताया गया कि पूर्व सांसद अन्नू टंडन के कार्यकाल में वर्ष 2012 में इसका सर्वे कराया गया था। इस पर डीआरएम ने कहा कि परियोजना के बारे में विस्तृत जानकारी लेने के बाद ही उसकी मौजूदा स्थिति और आगे बढ़ने की संभावनाओं पर स्पष्ट जानकारी दी जा सकेगी।

डीएम ने प्राथमिक विद्यालय अछती का किया निरीक्षण, बच्चों से पूछे सवाल

शिक्षा की गुणवत्ता परखी, शिक्षकों से ली पठन-पाठन की जानकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने शनिवार को रामनगर क्षेत्र स्थित प्राथमिक विद्यालय (इंग्लिश मीडियम) अछती का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने विद्यालय में शिक्षण कार्य की स्थिति का जायजा लिया और शिक्षकों से बच्चों के पठन-पाठन के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया और उनसे विभिन्न सवाल पूछकर उनके शैक्षणिक स्तर एवं शिक्षा की गुणवत्ता को परखा। उन्होंने विद्यालय में उपलब्ध आवश्यक सुविधाओं और व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समुचित पाई गईं।



जिलाधिकारी ने शिक्षकों से पठन-पाठन की स्थिति की जानकारी लेकर विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लिया।

सम्पादकीय

कठघरे में कांग्रेस



रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस पर हिंसा और अराजकता के सहारे बांग्लादेश की तरह सत्ता परिवर्तन के प्रयास में लिप्त होने का जो गंभीर आरोप लगाया, उसके लिए राहुल गांधी अपने अलावा अन्य किसी को दोष नहीं दे सकते। उन्होंने अपनी प्रेस कांफ्रेंस में धुर वामपंथी प्रशांत भूषण और नेहा बोरा को जिस तरह अपने साथ खड़े होने की विशेष सुविधा प्रदान की, उससे यही पता चला कि हताशा में आकर वे अराजकतावादियों का भी सहयोग लेने को तैयार हैं।

प्रशांत भूषण कह रहे हैं कि हां, हम सत्ता परिवर्तन के लिए ही लड़ रहे हैं और इसमें कुछ गलत भी नहीं। वे खून-खराबे वाली क्रांति की भी बात कह चुके हैं। नेहा बोरा कह रही हैं कि उन्हें बांग्लादेश के आंदोलन से प्रेरणा मिली। उनकी समझ से बांग्लादेश का आंदोलन लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए था। वे जानबूझकर इसे भूल गईं कि बांग्लादेश के छात्र आंदोलन में कट्टरपंथी मजहबी तत्व शामिल थे और उन्होंने हिंसा का कैसा नंगा नाच किया था। उन्हें यह भी याद नहीं रहा कि तब वहां किस बड़े पैमाने पर हिंदुओं की हत्याएं हुई थीं और कथित लोकतंत्र प्रेमी छात्रों ने चरमपंथी संगठन जमाते इस्लामी के साथ मिलकर चुनाव लड़ना पसंद किया था। नेहा बोरा वामपंथी छात्र संगठन आईसा की नेता हैं, लेकिन राहुल गांधी अपने छात्र संगठन के नेताओं से अधिक उन पर भरोसा कर रहे हैं। इससे इसी बात की पुष्टि होती है कि वे वामपंथियों से कुछ ज्यादा ही प्रेरित हैं। यह भी सनद रहे कि कांग्रेस के एक और करीबी योगेंद्र यादव यह कह चुके हैं कि अब इस देश में लोकतंत्र का भविष्य संसद से नहीं, बल्कि सड़क से तय होगा। कांग्रेस नेताओं और विशेष रूप से राहुल गांधी को स्पष्ट करना होगा कि क्या वे अराजकता की खुली पैरवी करने वाले प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव और नेहा बोरा के विचारों से सहमत हैं?

उन्हें यह भी बताना चाहिए कि कॉकरोच जनता पार्टी से दूरी बनाते-बनाते उसके निकट जाने की जरूरत क्यों पड़ रही है? यदि वे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के विभिन्न पहलुओं की सुनवाई कर रहे सुप्रीम कोर्ट पर सच में भरोसा कर रहे हैं तो फिर सड़कों पर क्यों उतर रहे हैं? क्या यह सुप्रीम कोर्ट पर भरोसे का परिचायक है कि वे भीड़ के साथ मार्च करते हुए याचिका दाखिल करना पसंद करते हैं? आखिर इसे अराजक व्यवहार के अलावा और क्या कहा जा सकता है? कांग्रेस केवल अपनी विचारधारा से भटक ही नहीं गई है, बल्कि वह लोकतांत्रिक मूल्यों का अनादर भी कर रही है। उसे अच्छे से पता है कि मुख्य चुनाव आयुक्त को महाभियोग के जरिये ही हटाया जा सकता है, लेकिन वह ऐसा जाहिर कर रही है कि यह काम अशांति पैदा करके भी हो सकता है।

धर्म परिवर्तन और आरक्षण का प्रश्न-संवैधानिक मर्यादा

भारतीय संविधान के निर्माताओं ने आरक्षण की अवधारणा को सामाजिक असमानता, ऐतिहासिक भेदभाव और संस्थागत उत्पीड़न के शिकार समुदायों को सशक्त बनाने के एक माध्यम के रूप में गढ़ा था। यह व्यवस्था किसी वर्ग को मिलने वाला स्थायी विशेषाधिकार नहीं, बल्कि एक विशेष सुधारात्मक और संवैधानिक सुरक्षा कवच है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा धर्म परिवर्तन और आरक्षण के अंतर्संबंधों पर सुनाया गया ऐतिहासिक फैसला इस संवैधानिक ढांचे को पुनः परिभाषित और स्पष्ट करता है। शीर्ष अदालत ने मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले को सही ठहराते हुए और तमिलनाडु सरकार के आदेश को रद्द करते हुए साफ शब्दों में कहा कि हिंदू धर्म के अंतर्गत अनुसूचित जाति (SC) या अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के रूप में मिलने वाला आरक्षण का लाभ किसी अन्य धर्म को अपनाने के बाद स्वतः जारी नहीं रह सकता। अदालत का यह स्पष्ट निष्कर्ष कि सामाजिक पिछड़ापन एक धर्म से दूसरे धर्म में प्रवेश करने पर अपने आप स्थानांतरित नहीं होता, देश भर के विधिक, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों में व्यापक चर्चा और पुनर्विचार का मार्ग प्रशस्त करता है। सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय इस बुनियादी सिद्धांत पर आधारित है कि भारत में विभिन्न धर्मों की अपनी अलग-अलग सामाजिक संरचनाएं, मान्यताएं और आंतरिक व्यवस्थाएं हैं। हिंदू समाज में व्याप्त ऐतिहासिक जातिगत विषमताओं को दूर करने के लिए अनुसूचित जातियों हेतु आरक्षण का विशेष प्रावधान किया गया था। चूँकि इस्लाम, ईसाई या अन्य धर्म सैद्धांतिक रूप से जातिविहीन और समानता के दर्शन पर बल देते हैं, इसलिए यह तर्क पूरी तरह न्यायसंगत है कि धर्म बदलने के साथ ही पुरानी सामाजिक पहचान और उससे जुड़ा पिछड़ापन अपने आप नए धर्म में लागू नहीं हो सकता। तमिलनाडु सरकार द्वारा धर्म परिवर्तित कर चुके मुसलमानों को पिछड़े मुस्लिमवर्ग के तहत आरक्षण देने का आदेश संवैधानिक सिद्धांतों की कसौटी पर खरा नहीं उतरा। यह फैसला साफ करता है कि केवल प्रशासनिक घोषणाओं या राजनीतिक सहूलियत के आधार पर आरक्षण के दायरे को मनमाने ढंग से विस्तारित नहीं किया जा सकता, जब तक कि नए धर्म के भीतर उस वर्ग के वास्तविक सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन के ठोस आंकड़े और संवैधानिक प्रमाण मौजूद न हों।

अशोक कुमार झा

दशहराः शौर्य, साधना एवं नवसंकल्प का महापर्व

> दशहरे की सांस्कृतिक चेतना का सबसे प्रभावशाली आधार भगवान श्रीराम की रावण पर विजय है। रामायण का यह प्रसंग केवल एक ऐतिहासिक अथवा पौराणिक युद्ध की परिणति नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों और अहंकार के बीच संघर्ष का शाश्वत आख्यान है।



भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उसने जीवन के उत्सवों को केवल आनंद और उल्लास तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें आत्मचिंतन, साधना, संस्कार और जीवन-परिवर्तन का माध्यम बनाया है। यहां प्रत्येक पर्व अपने भीतर कोई न कोई शाश्वत संदेश समेटे हुए है। दशहरा अथवा विजयादशमी ऐसा ही प्रेरणाप्रद पर्व है, जो भारतीय संस्कृति की गहरी जड़ों, आध्यात्मिक परंपराओं और जीवन-दर्शन से जुड़कर मनुष्य को सत्य, साहस, सदाचार और आत्मविजय की राह दिखाता है। यह पर्व हमें स्मरण कराता है कि जीवन की वास्तविक विजय दूसरों को पराजित करने में नहीं, बल्कि अपने भीतर विद्यमान दुर्बलताओं, विकारों और नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय प्राप्त करने में है। असत्य पर सत्य, अंधकार पर प्रकाश, निराशा पर आशा और अधर्म पर धर्म की विजय का यह उत्सव भारतीय जनमानस में सदियों से नई ऊर्जा, नया विश्वास और नया संकल्प भरता आया है।

श्रीराम मर्यादा, करुणा, सत्य, कर्तव्य और धर्मनिष्ठा के प्रतीक हैं, जबकि रावण ज्ञान, सामर्थ्य और वैभव से संपन्न होने के बावजूद अहंकार, अनियंत्रित इच्छाओं और अनैतिक आचरण का प्रतीक बन जाता है। रावण का व्यक्तित्व इस सत्य को उजागर करता है कि ज्ञान यदि विवेक से, शक्ति यदि मर्यादा से और समृद्धि यदि नैतिकता से विमुख हो जाए, तो मनुष्य के पतन का कारण बन जाती है। श्रीराम की विजय इसलिए महत्वपूर्ण है कि उन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अपने आदर्शों का परित्याग नहीं किया। दशहरा हमें सिखाता है कि परिस्थितियां कितनी ही कठिन क्यों न हों, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति अंततः समाज की आस्था और इतिहास की प्रेरणा बनता है। भारतीय संस्कृति में दशहरे का संबंध केवल राम की विजय से नहीं, बल्कि मां दुर्गा की महिषासुर पर विजय से भी जुड़ा है। नवरात्र के नौ दिनों में शक्ति की आराधना और दसवें दिन विजयादशमी का उत्सव इस बात का प्रतीक है कि साधना के बाद सिद्धि, संघर्ष के बाद सफलता और आत्मबल के जागरण के बाद विजय का मार्ग प्रशस्त होता है। मां दुर्गा की उपासना हमें यह संदेश देती है कि जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए शक्ति और संवेदना, साहस और विवेक तथा पराक्रम और करुणा का समन्वय आवश्यक है। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में शक्ति का अर्थ केवल बाहुबल अथवा प्रभुत्व नहीं है, बल्कि आत्मबल, इच्छाशक्ति, धैर्य, आत्मसंयम और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की नैतिक क्षमता भी है। इसीलिए दशहरा शक्ति की साधना के साथ-साथ उस शक्ति के सदुपयोग का भी पर्व है।

दशहरा पर्व का आध्यात्मिक पक्ष अत्यंत गहरा है। बाहरी रावण का दहन तभी सार्थक है, जब मनुष्य अपने भीतर बैठे रावण को पहचानने और परास्त करने का साहस जुटाए। काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी जैसी प्रवृत्तियां मनुष्य के व्यक्तित्व को भीतर से दुर्बल बनाती हैं। रावण के दस सिरों को इन दस विकारों के प्रतीक के रूप में भी देखा जा सकता है। प्रतिवर्ष रावण के पुतले जलते हैं, आतिशबाजी होती है और उत्सव संपन्न हो जाता है, लेकिन यदि हमारे भीतर ईर्ष्या, छल, स्वार्थ, द्वेष और अहंकार जीवित रहें, तो विजयादशमी का मूल उद्देश्य अधूरा रह जाता है। सच्चा दशहरा वह है, जब हम किसी के प्रति अपने मन में पल रहे द्वेष को समाप्त करें, अपने व्यवहार से छल को निकालें, अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों को स्वीकारें और अपनी सफलता में दूसरों के योगदान को भी सम्मान दें। आत्मविजय ही सभी विजयों का आधार है। भारतीय संस्कृति उत्सव को साधना और साधना को जीवन की श्रेष्ठता से जोड़ती है। विजयादशमी इसी परंपरा का जीवंत उदाहरण है। इस दिन शस्त्रपूजा की जाती है, नए कार्यों का शुभारंभ होता है और विजय की कामना के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संकल्प लिया जाता है। शस्त्रपूजा का वास्तविक अर्थ केवल अस्त्रों की आराधना नहीं, बल्कि शक्ति के प्रति श्रद्धा और उसके उत्तरदायी उपयोग का संकल्प है। आज के संदर्भ में हमारे शस्त्र ज्ञान, विवेक, शिक्षा, विज्ञान, श्रम, नैतिकता और सत्यनिष्ठा भी हैं। यदि इन शक्तियों का उपयोग मानवता के कल्याण के लिए किया जाए, तो वे राष्ट्रनिर्माण के प्रभावशाली साधन बन सकती हैं। दशहरा हमें अकर्मण्यता से कर्मशीलता, निराशा से आशा और निष्क्रियता से सृजनशीलता की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। यह दिन अपने अधूरे संकल्पों को पूरा करने, नई संभावनाओं के द्वार खोलने और जीवन को श्रेष्ठ दिशा देने का अवसर है। दशहरे का एक महत्वपूर्ण पक्ष प्रकृति, कृषि और लोकजीवन से उसका संबंध भी है। भारतीय समाज में यह पर्व फसल, समृद्धि, ऋतु-परिवर्तन और सामुदायिक उल्लास की परंपराओं से जुड़ा रहा है। शमी वृक्ष की पूजा, उसके पत्तों का आदान-प्रदान और नए कार्यों का शुभारंभ प्रकृति के प्रति श्रद्धा तथा मंगलकामना की भावना को व्यक्त करते हैं। कृषि प्रधान भारत में फसल की समृद्धि केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि धरती, किसान और प्रकृति के परस्पर सहयोग का उत्सव भी है। यह परंपरा हमें याद दिलाती है कि मनुष्य की प्रगति प्रकृति से अलग होकर संभव नहीं है। जिस संस्कृति ने वृक्षों, नदियों, पर्वतों और धरती में पवित्रता का अनुभव किया, उसकी उत्सवधर्मिता में पर्यावरण संरक्षण और सह-अस्तित्व की प्रेरणा भी अंतर्निहित है। आज जब पर्यावरणीय संकट मानवता के सामने गंभीर चुनौती बन रहा है, तब दशहरा हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पुनः समझने का अवसर देता है।

विजयादशमी भारतीय संस्कृति की समन्वयकारी चेतना का भी उत्सव है। देश के अलग-अलग क्षेत्रों में इसे विविध रूपों में मनाया जाता है। कहीं रामलीला और रावण-दहन होता है, कहीं दुर्गापूजा के बाद मां की विदाई, कहीं शस्त्रपूजा तो कहीं लोकपरंपराओं के माध्यम से विजय का उल्लास व्यक्त किया जाता है। इन विविधताओं के पीछे एक साझा सांस्कृतिक सूत्र है-सत्य के प्रति आस्था, धर्म के प्रति निष्ठा, शक्ति के प्रति सम्मान और जीवन में मंगल की कामना। आज दशहरे के संदेश को अपने सामाजिक और राष्ट्रीय जीवन में उतारना पहले से अधिक आवश्यक है। भ्रष्टाचार, हिंसा, सामाजिक विद्वेष, अनैतिक प्रतिस्पर्धा, छलपूर्ण व्यवहार और स्वार्थपरक राजनीति जैसी प्रवृत्तियां समाज की नैतिक शक्ति को कमजोर करती हैं।

ललित गर्ग

अक्टूबर महीने के ...

अशोक भाटिया

लोकतंत्र की शुचिता और चुनावी सुधारः आयोग की देर से जागी चेतना

भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में 'एक वोट' की कीमत सरकार बनाने और गिराने से कहीं अधिक, एक आम नागरिक की संप्रभुता और देश के प्रति उसकी हिस्सेदारी का सबसे बड़ा संवैधानिक प्रतीक है। यही कारण है कि जब भी मतदाता सूचियों की पारदर्शिता या उसमें होने वाले किसी भी प्रकार के प्रशासनिक हेरफेर की बात सामने आती है, तो पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था के मूल ढांचे पर ही सवाल खड़े होने लगते हैं। पिछले लंबे समय से देश के विपक्षी दल भारत निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली, विशेषकर 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' के नाम पर बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम सूची से गायब होने को लेकर सड़क से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक आंदोलनरत थे। इस चौतरफा राजनीतिक दबाव, राष्ट्रव्यापी प्रदर्शनों और देश की शीर्ष अदालत की कड़ी कानूनी जांच के बाद आखिरकार चुनाव आयोग बैकफुट पर आने और अपनी गलतियों में सुधार करने के लिए राजी हुआ है। आयोग द्वारा आगामी 'स्पेशल समरी रिवीजन' 2027 की प्रक्रिया में चार बड़े संरचनात्मक बदलावों की घोषणा करना और विपक्षी दलों से बातचीत के लिए मेज पर आना, लोकतांत्रिक दबाव की एक बड़ी जीत के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन के अन्य घटकों ने इस कदम को रत्टू लिटिल, टू लेटर यानी बहुत कम और बहुत देर से उठाया गया कदम करार देकर यह साफ कर दिया है कि चुनावी शुचिता की यह लड़ाई अभी थमी नहीं है। इस पूरे विवाद की जड़ें मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल के दौरान अपनाई गई उस विवादित 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' प्रक्रिया में छिपी हैं, जिसके तहत विपक्ष का आरोप है कि देश भर में लगभग 13.3 करोड़ मतदाताओं के नाम बिना किसी उचित नोटिस, जमीनी सत्यापन या पारदर्शी कानूनी प्रक्रिया के मतदाता सूची से अचानक हटा दिए गए। लोकतंत्र के इतिहास में यह संख्या इतनी बड़ी है कि इसे किसी भी तकनीकी त्रुटि, लिपिकीय चूक या सामान्य प्रशासनिक लापरवाही का नाम देकर खारिज नहीं किया जा सकता। विपक्ष का यह आरोप बेहद गंभीर और विचारणीय है कि जानबूझकर एक खास राजनीतिक रणनीति के तहत उन मतदाताओं को निशाना बनाया गया जो सत्तापक्ष के प्रति असहमति का रुख रखते हैं या जिनकी राजनीतिक निष्ठाएं शासन के अनुकूल नहीं हैं। जब इतनी बड़ी संख्या में नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों का हनन प्रशासनिक फाइलों और सॉफ्टवेयर एल्गोरिदम के पीछे छिपकर किया जाने लगे, तो विपक्षी दलों का आक्रोशित होना और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग पर अड़ जाना पूरी तरह स्वाभाविक हो जाता है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों द्वारा देश भर में किए गए उग्र प्रदर्शनों ने आयोग को यह अहसास करा दिया कि बंद कमरों में बैठकर और राजनीतिक दलों के बड़े प्रतिनिधिमंडलों से मिलने से इनकार करके जनता के भरोसे को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। लोकतांत्रिक संस्थाओं का यह अड़ियल रवैया ही देश में संस्थागत संकट को जन्म देता है, जहां जनता का भरोसा अपनी ही चुनी हुई व्यवस्था से उठने लगता है। इस पूरे घटनाक्रम में देश की न्यायपालिका, विशेषकर सुप्रीम कोर्ट की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण और मार्गदर्शक रही है। विपक्ष द्वारा दायर विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए जब देश के वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अन्य कानूनी विशेषज्ञों ने न्यायालय के समक्ष यह अकाट्य तथ्य रखा कि नागरिकों को बिना किसी सुनवाई का अवसर दिए, बिना किसी प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का पालन किए उनके मताधिकार से वंचित किया जा रहा है, तो सर्वोच्च न्यायालय ने इस पर अत्यंत सख्त रुख अपनाया। अक्टूबर महीने के दौरान सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुनाव आयोग से सीधे जवाब तलब किए जाने और इस पूरी प्रक्रिया की वैधानिकता पर सवाल उठाए जाने के बाद ही आयोग के भीतर प्रशासनिक हलचल तेज हुई। न्यायपालिका की यह सक्रियता एक बार फिर साबित करती है कि जब देश की लोकतांत्रिक संस्थाएं अपनी निष्पक्षता खोने लगती हैं या किसी एक विचारधारा के दबाव में काम करने का भ्रम पैदा करती हैं, तब संविधान के असली रक्षक के रूप में देश की शीर्ष अदालत को ही आगे आना पड़ता है। अदालत की इस सख्त निगरानी और लगातार बढ़ते जन-आक्रोश का ही नतीजा है कि चुनाव आयोग ने अपने अड़ियल रुख को छोड़ते हुए वार्ता और सुधार का रास्ता चुना है। आयोग द्वारा घोषित किए गए चार बड़े सुधार और 17 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में लागू होने वाली 'स्पेशल समरी रिवीजन' 2027 की समयसीमा—जिसके तहत 12 नवंबर 2026 को ड्राफ्ट रोल और 4 जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची जारी की जानी है—सैद्धांतिक रूप से एक सकारात्मक कदम लग सकती है। लेकिन व्यावहारिक धरातल पर इस कदम की सार्थकता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या आयोग वाकई स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से काम करने की अपनी खोई हुई साख को वापस पा सकता है।

संस्थान में ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

हुनर से आत्मनिर्भरताः बरेली की ऋतु ने फैशन डिजाइनिंग के बल पर स्थापित किया अपना उद्यम

महिला सशक्तीकरण और युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाएं धरातल पर सार्थक परिणाम दे रही हैं। प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं को तकनीकी रूप से दक्ष और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (विश्व बैंक महिला), बरेली एक सशक्त आधारस्तंभ सिद्ध हो रहा है। सिविल लाइन्स, बरेली में स्थापित यह विशिष्ट संस्थान जनपद एवं समीपवर्ती ग्रामीण अंचलों की बालिकाओं और युवतियों को आधुनिक औद्योगिक मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता युक्त व्यावहारिक तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध करा रहा है।

जनपद बरेली में इन कल्याणकारी प्रयासों का प्रत्यक्ष और उत्साहजनक प्रभाव स्थानीय निवासी ऋतु के जीवन में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ है। व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से अपने हुनर को निखारकर उन्होंने न केवल आर्थिक स्वावलंबन हासिल किया, बल्कि अन्य युवतियों के लिए भी आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। बरेली के एक सामान्य परिवार से ताल्लुक रखने वाली ऋतु के भीतर आरंभ से ही परिधान निर्माण और रचनात्मक कार्यों के प्रति गहरी रुचि थी। वे स्वरोजगार के जरिए अपने पैरों पर खड़ा होकर परिवार का संबल बनना चाहती थीं, किंतु इसके लिए उन्हें औपचारिक तकनीकी दक्षता, आधुनिक कटिंग-टेलरिंग के मानकों और व्यावहारिक प्रशिक्षण की आवश्यकता थी। अपने इस संकल्प को साकार करने के लिए ऋतु ने व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत जनपद बरेली में संचालित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (विश्व बैंक महिला) का रुख किया। उन्होंने संस्थान के फैशन डिजाइनिंग एवं टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम में विधिवत प्रवेश लेकर अपने व्यावसायिक प्रशिक्षण की शुरुआत की।

संस्थान में उपलब्ध अनुकूल शैक्षणिक वातावरण, सुसज्जित प्रयोगशालाओं और आधुनिक सिलाई व कटिंग उपकरणों के माध्यम से ऋतु ने वस्त्र निर्माण के विभिन्न तकनीकी पहलुओं को बारीकी से समझा। उन्होंने परिधान निर्माण, पैटर्न मेकिंग, ड्राफ्टिंग, फैब्रिक चयन और आधुनिक बाजार की मांग के अनुरूप नवीन डिजाइनिंग तकनीकों पर गहन व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

जनपद बरेली अपनी समृद्ध जरी-जरदोजी और वस्त्र शिल्पकला के लिए राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान रखता है। जिले के इस समृद्ध शिल्प परिवेश के बीच राजकीय महिला आईटीआई से प्राप्त आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण ने ऋतु के कौशल को समकालीन बाजार की प्राथमिकताओं के अनुसार तराशने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संस्थान से प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत ऋतु ने बिना किसी हिचकिचाहट के स्वरोजगार की दिशा में पहला कदम बढ़ाया। उन्होंने प्रारंभिक स्तर पर सीमित संसाधनों के साथ अपने घर से ही बुटीक और परिधान निर्माण का कार्य शुरू किया। संस्थान से मिले आत्मविश्वास और गुणवत्तापूर्ण काम के चलते स्थानीय स्तर पर उनके काम को निरंतर सराहना मिलने लगी।

जरा हटके

उत्तर प्रदेश की ...

अभिषेक सिंह

प्रदेश के मार्गों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण से विकास को मिली नई रफ्तार



उत्तर प्रदेश के समग्र एवं संतुलित विकास में लोक निर्माण विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रदेश के विशाल सड़क नेटवर्क को बेहतर बनाए रखने, यातायात को सुगम करने, औद्योगिक एवं आर्थिक गतिविधियों को गति देने तथा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने में विभाग निरंतर कार्य कर रहा है। सड़कें केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि विकास की आधारभूत संरचना हैं। बेहतर सड़क नेटवर्क से जहां लोगों को सुरक्षित और सुगम यात्रा की सुविधा मिलती है, वहीं कृषि, उद्योग, व्यापार, पर्यटन और रोजगार के अवसरों को भी गति मिलती है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में वर्ष 2017-18 से प्रदेश में मार्गों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। राज्य योजना सहित विभिन्न योजनाओं, राज्य सड़क निधि, चीनी मिल मार्ग, धर्मार्थ योजना, औद्योगिक लॉजिस्टिक, केन्द्रीय मार्ग निधि, विश्व बैंक परियोजना तथा एशियन डेवलपमेंट बैंक की परियोजनाओं के माध्यम से महत्वपूर्ण मार्गों को आधुनिक मानकों के अनुरूप लगातार विकसित किया जा रहा है। प्रदेश में यातायात को सुगम एवं सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से वर्ष 2017 से अब तक विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लगभग 30,131 किलोमीटर मार्गों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य किया गया है। यह उपलब्धि प्रदेश के सड़क बुनियादी ढांचे में व्यापक परिवर्तन को दर्शाती है। मार्गों के चौड़ीकरण से न केवल सड़क की क्षमता बढ़ती है, बल्कि यातायात के दबाव को कम करने, दुर्घटनाओं की संभावना घटाने और वाहनों की औसत गति को बेहतर करने में भी सहायता मिलती है। वहीं सुदृढ़ीकरण के माध्यम से मार्गों की गुणवत्ता, मजबूती और टिकाऊपन को बढ़ाया जाता है। इस प्रकार सड़क निर्माण की प्रक्रिया केवल नई सड़क बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि मौजूदा सड़क परिसंपत्तियों को दीर्घकाल तक उपयोगी बनाए रखना भी इसका महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रदेश में बढ़ते औद्योगिक एवं व्यावसायिक निवेश को देखते हुए भी मजबूत सड़क नेटवर्क की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्षेत्रों, कृषि उत्पादन केंद्रों, मंडियों, धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों तथा जिला मुख्यालयों को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराने से आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिल रही है।

उत्तर प्रदेश की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए नेपाल सीमा से जुड़े मार्गों का रणनीतिक एवं आर्थिक महत्व अत्यधिक है। इंडो-नेपाल बॉर्डर मार्ग निर्माण परियोजना के अंतर्गत कुल 12 कार्य, लगभग 235 किलोमीटर लंबाई और 1,039 करोड़ रुपये की लागत से प्रगति में हैं। परियोजना के अंतर्गत लगभग 230 किलोमीटर की भौतिक प्रगति दर्ज की गई है, जबकि वित्तीय प्रगति लगभग 966 करोड़ रुपये है। इनमें 10 कार्य पूर्ण हो चुके हैं और 02 कार्य प्रगति में हैं। भारत-नेपाल सीमा से जुड़े मार्गों का सुदृढ़ीकरण केवल आवागमन की सुविधा तक सीमित नहीं है। इन मार्गों से सीमावर्ती क्षेत्रों के आर्थिक विकास, व्यापारिक गतिविधियों, स्थानीय बाजारों तक पहुंच, पर्यटन और सामाजिक संपर्क को मजबूती मिलती है। बेहतर कनेक्टिविटी से सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास की संभावनाएं भी व्यापक होती हैं। प्रदेश सरकार की सड़क विकास संबंधी योजनाओं का व्यापक उद्देश्य ऐसी कनेक्टिविटी व्यवस्था विकसित करना है, जिसमें प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों को प्रमुख शहरों, जिला मुख्यालयों, औद्योगिक केंद्रों और राष्ट्रीय स्तर के मार्गों से बेहतर संपर्क प्राप्त हो। इसके लिए जहां आवश्यक है, वहां पुराने मार्गों का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है, वहीं महत्वपूर्ण मार्गों को आधुनिक यातायात मानकों के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। सड़क अवसंरचना का सीधा प्रभाव आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। बेहतर सड़क से स्कूल, अस्पताल, बाजार और रोजगार के केंद्रों तक पहुंच आसान होती है। किसानों के लिए अपनी उपज को मंडियों और बाजारों तक पहुंचाना सुगम होता है। उद्योगों के लिए कच्चे माल और तैयार उत्पादों की आवाजाही आसान होती है। इसी प्रकार पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों तक बेहतर संपर्क स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देता है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने सड़कों की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया है। सड़क निर्माण की सफलता केवल परियोजना पूर्ण होने से निर्धारित नहीं होती, बल्कि उसकी गुणवत्ता और लंबे समय तक उपयोगी बने रहने से होती है। इसी दृष्टि से निर्माण कार्यों के साथ डीएलपी एवं अनुरक्षण अवधि की व्यवस्था को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद उनका संबंधित स्टेट खंडों को हस्तांतरण और अनुरक्षण व्यवस्था सड़क परिसंपत्तियों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में अहम कदम है। उत्तर प्रदेश में सड़क नेटवर्क का लगातार विस्तार और सुदृढ़ीकरण प्रदेश के विकास की आधारशिला को मजबूत कर रहा है। वर्ष 2017 से अब तक लगभग 30,131 किलोमीटर मार्गों पर चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य इस दिशा में किए गए व्यापक प्रयासों को रेखांकित करता है।

पड़ोसी बोले- प्रॉपर्टी विवाद था, सास ने नूडल्स बनाए, इसमें जहर होने का शक

घर में पति-पत्नी 3 बच्चों की लाश मिलीं

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा। यूपी में ग्रेटर नोएडा के नंगला श्रीपदम गांव में शनिवार को एक घर में पति-पत्नी और उनके 3 बच्चों की लाश मिली। सुबह काफी देर तक परिवार नहीं उठा तो पड़ोसियों को शक हुआ। दरवाजा अंदर से बंद था। खिड़की से देखा तो पांचों बिस्तर पर पड़े थे। एक के मुंह से झाग निकल रहा था। पुलिस घर पहुंची तो पिता बेटे से लिपटे हुए चारपाई पर मृत मिले। दूसरे बिस्तर पर मां छोटे बेटे और बेटी से लिपटी हुई थीं। मृतकों की पहचान महेश (37), पत्नी ललिता (35), बेटे लड्डू (11), साक्षत (3) और बेटी मिष्टी (7) के रूप में हुई है। डीसीपी श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि मौत की असली वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता चलेगी।



"महेश की भामी नीरज ने बताया- मेरा आदमी खत्म हुआ, तो मुझे घर से भगा दिया। मेरी 14 साल की लड़की है। उसे भी साथ नहीं रखा। मैं उसे लेकर किराए के घर में रहती हूं। महेश ने कहा था कि भामी, तू टाइम काट ले, कुछ दिनों की बात है। देवर कहता था कि मेरा भाई चला गया। मैं हिस्सा नहीं मारूंगा। मैं हर चीज में हक दूंगा। हमेशा सास बेटियों के लिए लड़ती रहती है। मेरे देवर-देवरानी बहुत अच्छे थे। मेरी ननदों को सजा मिलनी चाहिए।



बहन बोली- मेरी बहन के ननद और ननदोई ने हत्या कराई

ललिता की बहन पूजा ने कहा- यह फूड पॉइजनिंग नहीं, हत्या है। मेरी बहन के ननद और ननदोई ने हत्या प्रॉपर्टी के विवाद में कराई है। उन लोगों ने दिल्ली, बिलासपुर की प्रॉपर्टी अपने नाम करा ली थी। उसकी जांच के बाद साफ करेंगे कि घटना किस तरह से हुई।



"डीसीपी श्रवण कुमार ने बताया- रबुपुरा में एक परिवार के 5 लोगों की मौत हुई है। सभी ने रात 10-10.30 बजे खाना खाया था। सुबह जब एक बच्चा एग्जाम के लिए जगाने गया, तब घटना की जानकारी हुई।

महेश के साले ने कहा- बहन के घर में सब कुछ सही था

पुलिस ने पड़ोसियों से पूछताछ के आधार पर बताया कि परिवार में प्रॉपर्टी को लेकर झगड़ा चल रहा था। महेश एक कंपनी में काम कर घर का खर्च चलाता था। परिवार में मां, पत्नी और बच्चे थे। 3 बहनों की शादी हो चुकी है। बड़े भाई ने 4 साल पहले ट्रेन के सामने कूदकर सुसाइड कर लिया था। तभी से भाभी बच्चों के साथ अलग रहती हैं। महेश के साले सोनू ने बताया- जीजा की मां का मायका रबूपुरा में है। उन्हें पति के अलावा मायके से भी काफी प्रॉपर्टी मिली है। दिल्ली की सारी प्रॉपर्टी, रबूपुरा का मकान और खेती की जमीन वह अपनी तीनों बेटियों के नाम कर चुकी हैं। इस बीच खेती की जमीन पर सरकार से मुआवजा मिला। इस पैसे से 2017 में महेश की शादी के बाद रबूपुरा में एक मकान बनवाया। महेश पत्नी के साथ यहीं रहने लगे। एक साल पहले उनकी मां भी यहां आ गईं। उन्होंने यह मकान भी अपनी बेटियों के नाम कर दिया। हो सकता है कि इसी को लेकर जीजा और दीदी तनाव में रह रहे हों या कोई उन्हें नुकसान पहुंचाना चाह रहा हो।

"सोनू ने बताया- 10 दिन पहले जीजा परिवार के साथ हमारे घर आए थे। उस समय सब कुछ सामान्य लग रहा था। 2 दिन पहले मी फोन पर बातचीत हुई थी, लेकिन किसी तरह की परेशानी या तनाव की बात नहीं बताई थी।

यूपी से पहली बार वियतनाम भेजा गया 48 टन तरल ग्लूकोज

कानपुर से रवाना हुई निर्यात की पहली खेप

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। प्रदेश से पहली बार तरल ग्लूकोज का वाणिज्यिक निर्यात वियतनाम को किया गया है। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के संयुक्त प्रयासों से यह पहल संभव हुई। शुक्रवार को कानपुर से 48 मीट्रिक टन तरल ग्लूकोज की खेप वियतनाम के लिए रवाना की गई। इसे प्रदेश के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और निर्यात क्षेत्र के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस पहल से उत्तर प्रदेश के खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में नए अवसर मिलने की उम्मीद है।



साथ ही, प्रदेश से निर्यात किए जाने वाले उत्पादों की विविधता बढ़ेगी और कृषि आधारित उद्योगों को वैश्विक व्यापार से जुड़ने का अवसर मिलेगा। तरल ग्लूकोज के निर्यात की शुरुआत से प्रदेश की विनिर्माण क्षमता और निर्यात संभावनाओं को भी नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने तरल ग्लूकोज के पहले वाणिज्यिक निर्यात को प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि इससे प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात क्षेत्र का विस्तार होगा और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उत्तर प्रदेश की भागीदारी बढ़ेगी।

फास्ट न्यूज

सीतापुर में कमर तक पानी में धान काट रहे किसान

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/कानपुर। यूपी में बाढ़ मुसीबत बनी हुई है। लखनऊ और सीतापुर में बाढ़ का पानी कम होने लगा है, लेकिन जलभराव से हालात बिगड़े हुए हैं। सीतापुर में सैकड़ों बीघा धान की फसल डूबी हुई है। किसान कमर तक पानी में फसल काट रहे हैं। लखनऊ में गोमती का जलस्तर घटने के बाद कॉलोनियों में कीचड़ भर गया है। गलियां कचरे से पट गई हैं।

अग्रसेन जयंती महोत्सव 20 अक्टूबर को होगा आयोजित

मथुरा। अग्रवाल समाज समिति (रजि.)बलदेव के तत्वावधान में अग्रकुल प्रवर्तक महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव का आयोजन 20 अक्टूबर को शाम सात बजे होटल गोयल विरासत में किया जाएगा। अग्रवाल समाज समिति अध्यक्ष रोहित मोदी ने बताया कि महोत्सव में वृद्धजन सम्मान, वृद्ध माता सम्मान, रंगमंचीय कार्यक्रम तथा मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का समापन सहभोज एवं लकी ड्रॉ के साथ होगा।

घोसी सांसद ने तहसील परिसर में पुस्तकालय का लोकार्पण किया

मऊ। मऊ में घोसी लोकसभा सांसद राजीव राय ने शनिवार शाम चार बजे के करीब सदर तहसील परिसर में नए पुस्तकालय का लोकार्पण किया। सांसद निधि योजना से बने इस पुस्तकालय पर करीब 17 .89 लाख रुपये खर्च हुए हैं। इससे तहसील परिसर में पढ़ाई और कानूनी जानकारी के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी। इसका निर्माण ग्रामीण विकास एवं अभियंत्रण विभाग, मऊ ने कराया है।

मिशन शक्ति 6.0 में यूपी पुलिस का कमाल, सात दिन में पांच राज्यों से खोज निकाले 32 लाख के गुम मोबाइल

कासगंज पुलिस ने सात दिन में बरामद किए 120 लोगों के मोबाइल, तकनीक के सहारे मध्य प्रदेश

- योगी सरकार में डिजिटल पुलिसिंग का दिखा असर, गुम मोबाइलों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई से आमजन को मिली बड़ी राहत
- प्रदेश के थानों पर साइबर हेल्प डेस्क के जरिए शिकायतों के निस्तारण पर जोर, तकनीक बन रही पुलिस और जनता के बीच मरोसे की कड़ी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार के मिशन शक्ति 6.0 अभियान के पहले ही सप्ताह में उत्तर प्रदेश पुलिस ने तकनीक आधारित पुलिसिंग और जनशिकायतों के



निस्तारण में बड़ी कामयाबी हासिल की है। इसी क्रम में कासगंज पुलिस ने महज सात दिनों के भीतर करीब 32 लाख रुपये कीमत के गुम मोबाइल फोन बरामद कर 120 लोगों को बड़ी राहत पहुंचाई है। खास बात यह है कि इन मोबाइलों की तलाश केवल उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं रही। पुलिस ने तकनीकी संसाधनों की मदद से मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा तक गुम मोबाइलों का पता लगाया और उन्हें बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पुलिसिंग को आधुनिक तकनीक से जोड़ने और आमजन की शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने की दिशा में कासगंज पुलिस की यह उपलब्धि मिशन शक्ति 6.0 के शुरुआती सप्ताह की महत्वपूर्ण सफलता बनकर सामने आई है। मिशन शक्ति 6.0 की शुरुआत 11 अक्टूबर को हुई थी। अभियान के पहले सप्ताह में कासगंज पुलिस ने गुम मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए विशेष अभियान चलाया। पुलिस ने प्राप्त शिकायतों के आधार पर तकनीकी माध्यमों से मोबाइल फोन की लोकेशन ट्रेस करनी शुरू की। इस दौरान कई मोबाइल फोन की लोकेशन उत्तर प्रदेश से बाहर मिली। इसके बाद पुलिस ने अपनी कार्रवाई का दायरा बढ़ाते हुए मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा तक संपर्क एवं समन्वय स्थापित किया। तकनीकी सहायता से मोबाइल फोन का पता लगाकर उन्हें बरामद किया गया।

पिंक समाधान दिवस में महिलाओं की शिकायतों पर डीएम-एसपी सख्त

शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। मिशन शक्ति अभियान-6.0 के तहत शनिवार को आलापुर तहसील में आयोजित पिंक समाधान दिवस में जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने जनसमस्याएं सुनकर उनके समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। महिलाओं से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता देने के साथ ही अधिकारियों को संवेदनशीलता से कार्रवाई करने और प्रत्येक मामले में शिकायतकर्ता की संतुष्टि सुनिश्चित करने को कहा गया। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित पिंक समाधान दिवस में कुल 159 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 15 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों के



निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मिशन शक्ति अभियान-6.0 के अंतर्गत आयोजित इस विशेष समाधान दिवस में महिला संबंधी शिकायतों के प्रभावी निस्तारण पर खास जोर रहा। डीएम और एसपी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर उनका समाधान किया जाए।

अन्य तहसीलों में भी सुनी गईं जनसमस्याएं

जिले की अन्य तहसीलों में भी वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। यहां प्राप्त शिकायतों में से कई का मौके पर निस्तारण किया गया।

- **आलापुर: 159 शिकायतें प्राप्त, 15 का मौके पर निस्तारण।**
- **जलालपुर: 67 शिकायतें प्राप्त, 5 का मौके पर निस्तारण।**
- **भीटी: 45 शिकायतें प्राप्त, 6 का मौके पर निस्तारण।**
- **टांडा: 34 शिकायतें प्राप्त, 6 का मौके पर निस्तारण।**
- **अकबरपुर: 77 शिकायतें प्राप्त, 7 का मौके पर निस्तारण।**

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी, उपजिलाधिकारी आलापुर सहित राजस्व, पुलिस एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

ध्रुव राठी को साकेत कोर्ट ने जारी किया जमानती वारंट

8 साल पुराने मानहानि केस में कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की साकेत कोर्ट ने यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ आपराधिक मानहानि के मामले में जमानती वारंट जारी किया है। यह मामला वर्ष 2018 में दर्ज शिकायत से जुड़ा है, जिसे भाजपा आईटी सेल के सदस्य विकास सांकरित्यायन उर्फ विकास पांडे ने दायर किया था। शिकायत में ध्रुव राठी पर अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किए गए एक वीडियो के जरिए मानहानि करने का आरोप लगाया गया है। यह मामला ध्रुव राठी के 'BJP IT Cell Part 2' नाम के वीडियो से संबंधित है। शिकायतकर्ता विकास पांडे का आरोप है कि वीडियो के जरिए उनकी मानहानि की गई। इसी शिकायत के आधार पर ध्रुव राठी के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला



दर्ज कराया गया था। विकास पांडे की ओर से वर्ष 2018 में यह मामला दायर किया गया था। मामले में अदालत ने अब ध्रुव राठी के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। जमानती वारंट के तहत संबंधित व्यक्ति निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के अनुसार जमानत प्राप्त कर .सकता है। मामले में आगे की कार्रवाई अदालत की प्रक्रिया के तहत होगी। यह मामला सोशल मीडिया पर प्रकाशित सामग्री को लेकर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मानहानि से जुड़े कानूनी विवादों के संदर्भ में भी चर्चा में है।

जमुनीपुर में पशु आरोग्य मेले का आयोजन, 256 पशुओं का उपचार कर बांटी गईं नि : शुल्क दवाएं

गो-पूजन के साथ हुआ मेले का शुभारंभ, पशुपालकों को टीकाकरण

तमसा संकेत, संवाददाता

हांगीरगंज (अम्बेडकरनगर), 17 अक्टूबर। विकासखंड जहांगीरगंज के ग्राम जमुनीपुर में शनिवार को पंडित दीनदयाल पशु आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं मंडल अध्यक्ष प्रकाश चंद्र शुक्ला तथा विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त पुलिस अधीक्षक अवधेश कुमार सिंह और सेवानिवृत्त इंटर कॉलेज प्रधानाचार्य संतोष सिंह ने गो-पूजन कर किया। मेले में बड़ी संख्या में पशुपालकों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान 256 पशुओं का उपचार कर पशुपालकों को निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं। मेले में पशुपालन विभाग की ओर से शिविर लगाकर पशुपालकों को पशुओं के बेहतर स्वास्थ्य, देखभाल और रोगों से बचाव के



संबंध में जागरूक किया गया। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. रविंद्र कुमार चक्रवर्ती ने पशुओं के टीकाकरण, बांझपन की समस्या और उसके निवारण के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. सुधीर कुमार राणा ने पशुओं में पोषण संबंधी समस्याओं और उनके समाधान के बारे में बताया। वहीं, डॉ. श्रीनिवास यादव ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी, जबकि डॉ. दिलीप कुमार यादव ने पशुपालन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। कार्यक्रम का उद्देश्य पशुपालकों को पशुओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना, समय पर उपचार एवं टीकाकरण के लिए प्रेरित करना और विभागीय योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना रहा। मेले में पशुओं की चिकित्सा के साथ निःशुल्क दवा वितरण की सुविधा मिलने से पशुपालकों को लाभ मिला। इस अवसर पर पशुधन प्रसार अधिकारी रचना सचान, मनोज कुमार, वेटरनरी फार्मासिस्ट गुलाबचंद सोनी, प्रतिभा विश्वकर्मा, शैलेंद्र कुमार, बैजनाथ सिंह सहित विभागीय कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में पशुपालक मौजूद रहे। मेले के आयोजन की ग्रामवासियों और पशुपालकों ने सराहना की। उन्होंने ऐसे शिविरों को पशुपालकों के लिए उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी इनके आयोजन की अपेक्षा जताई।

बरेली कॉलेज में दीक्षारंभ-2026 का समापन

तीन दिवसीय कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने लिया शैक्षणिक भ्रमण

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। बरेली कॉलेज, बरेली के पर्यावरण विज्ञान विभाग में एम.एससी. प्रथम सेमेस्टर के नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं हेतु आयोजित तीन दिवसीय दीक्षारंभ–2026 (Student Induction Programme) का शनिवार को समापन हुआ। कार्यक्रम का आयोजन प्रबंध समिति के सचिव श्री देवमूर्ति जी के संरक्षण, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओ.पी. राय के निर्देशन तथा उप प्राचार्य प्रो. वंदना शर्मा के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के अंतिम दिवस नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए परिचय सत्र आयोजित किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपनी शैक्षणिक पृष्ठभूमि एवं रुचियों से अवगत कराया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. ओ.पी. राय ने छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए अध्ययन के



प्रति निष्ठा, अनुशासन एवं समर्पण बनाए रखने का संदेश दिया। उन्होंने नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को बैग वितरित किए। कार्यक्रम के समापन अवसर पर छात्र-छात्राओं को सहभागिता प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए।

पर्यावरण विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. जसपाल सिंह ने कहा कि दीक्षारंभ कार्यक्रम नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को विभागीय वातावरण, शैक्षणिक गतिविधियों, पाठ्यक्रम, परीक्षा प्रणाली एवं मूल्यांकन प्रक्रिया से परिचित कराने की एक महत्वपूर्ण पहल है।

बवाल : अल्ट्रासाउंड के समय गंदी हरकत की, युवती ने शोर मचाकर लोगों को बुलाया

यूपी में बैडटच करने पर सरकारी डॉक्टर की पिटाई

तमसा संकेत, एजेंसी

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर में बैड टच के आरोप में एक सरकारी डॉक्टर की पिटाई कर दी गई। आरोप है कि डॉक्टर ने अल्ट्रासाउंड के दौरान युवती के प्राइवेट पार्ट को छुआ। विरोध करने पर भी डॉक्टर नहीं माने तो युवती ने शोर मचाकर लोगों को बुला लिया। इसके बाद लोगों ने डॉक्टर को पीट दिया। मामला जिला मुख्यालय से करीब 22 किमी दूर बांसी कोतवाली तिराहे के पास स्थित डायमंड डायग्नोस्टिक सेंटर का है। डॉक्टर की पहचान सरकारी अस्पताल में तैनात डॉ.एलएस सिंह के रूप में हुई है। पिटाई का वीडियो शुक्रवार शाम सामने आया। घटना 13 अक्टूबर की बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, मामले में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया है। 2 मिनट



6 सेकेंड के वीडियो में डॉक्टर कुर्सी पर बैठे नजर आ रहे हैं। कुछ लोग उन्हें थप्पड़ मार रहे हैं। इस दौरान युवती रोती रही। वीडियो में पुलिसकर्मी भी मौके पर दिखाई देते हैं, लेकिन वे डॉक्टर की पिटाई कर रहे लोगों को रोक नहीं पाए। बांसी के 50 बेड वाले सरकारी अस्पताल में डॉ.एलएस सिंह रेडियोलॉजिस्ट के रूप में तैनात हैं। 13 अक्टूबर को वह डायमंड डायग्नोस्टिक सेंटर नाम के एक प्राइवेट अल्ट्रासाउंड सेंटर में जांच करने पहुंचे थे। इसी दौरान उस सेंटर पर क्षेत्र की एक 20 साल की युवती अल्ट्रासाउंड कराने पहुंची। दोपहर करीब 2 बजे लड़की का नंबर आया। उसे अल्ट्रासाउंड रूम में ले जाया गया। युवती ने आरोप लगाया कि जांच के दौरान डॉक्टर उसके प्राइवेट पार्ट को गलत तरीके से छूने लगा। उसकी हरकत का विरोध किया तो भी वह नहीं माना। युवती डर के मारे जोर से चिल्लाने लगी। शोर सुनकर कमरे के बाहर खड़े लोग अंदर आ गए। पूरी बात जानने के बाद लोगों ने आरोपी डॉक्टर को पकड़ लिया और उसे मारने लगे। बांसी कोतवाली प्रभारी महेंद्र प्रताप चतुर्वेदी ने बताया- मामला थाने आया था। दोनों पक्षों को बुलाकर पूछताछ की गई। इसके बाद दोनों ने समझौता कर लिया। किसी ने तहरीर नहीं दी है।



"सीएमओ संजय कुमार दोहरे ने बताया- उन्हें मामले की जानकारी नहीं है। सरकारी डॉक्टर का निजी अल्ट्रासाउंड सेंटर पर प्रैक्टिस करना नियमों के खिलाफ है। इसकी जांच कराई जाएगी। छेड़छाड़ के आरोपों की भी जानकारी लेकर कार्रवाई की जाएगी।

गो संरक्षण केंद्र का सीडीओ ने किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश

गोवंशों के स्वास्थ्य, पर्याप्त चारा और परिसर के सुधार पर जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। मुख्य विकास अधिकारी ने शनिवार को वृहद गो संरक्षण केंद्र अखलासपुर, रामनगर का औचक निरीक्षण कर गोवंशों के रखरखाव, स्वास्थ्य, चारा एवं परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को गोवंशों की समुचित देखभाल और संरक्षण केंद्र में आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने केंद्र परिसर को समतल कर खड़ंजा लगवाने के निर्देश दिए, ताकि आवागमन और साफ-सफाई की व्यवस्था बेहतर हो सके। साथ ही परिसर में छायादार वातावरण विकसित करने के लिए पीपल और बरगद के पौधे रोपित कराने को कहा। उन्होंने गोवंशों का नियमित स्वास्थ्य



परीक्षण कराने तथा उनके लिए पर्याप्त मात्रा में पशु आहार और हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित रखने पर जोर दिया।

हरे चारे की निरंतर उपलब्धता के लिए पंचायत सचिव और एडीओ पंचायत को पशुचर भूमि पर समय से नेपियर घास की बुवाई कराने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी से जनपद में संचालित गो संरक्षण अभियान की प्रगति की जानकारी ली। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि अभियान के तहत अब तक 130 निराश्रित गोवंशों को विभिन्न गोशालाओं में संरक्षित किया जा चुका है। गोवंशों को संरक्षित करने का अभियान लगातार जारी है।

मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि गोवंशों के संरक्षण, स्वास्थ्य और समुचित देखभाल के साथ गो संरक्षण केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए।

अजीत अगरकर की जगह लेने की दौड़ में आगे, सीएसी ने इंटरव्यू के बाद लिया फैसला

रमेश पोवार बन सकते हैं सीनियर सिलेक्शन कमेटी के सदस्य

जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर रमेश पोवार को BCCI की सीनियर मेंस सिलेक्शन कमेटी में शामिल किया जा सकता है। उन्हें अजीत अगरकर की जगह जिम्मेदारी मिलने की संभावना है।

फिलहाल प्रज्ञान ओझा अंतरिम आधार पर चयन समिति के चेयरमैन की भूमिका निभा रहे हैं।

पोवार ने भारत के लिए दो टेस्ट और 31 वनडे खेले हैं। वह मुंबई के पूर्व भारतीय स्पिनर हैं। इसके अलावा, वह दो अलग-अलग कार्यकाल में भारतीय सीनियर विमेन टीम के हेड कोच की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं।



रमेश पोवार दो अलग-अलग कार्यकालों में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के हेड कोच रहे। उन्होंने पहली बार 2018 में यह जिम्मेदारी संभाली थी और बाद में मई 2021 में उन्हें फिर से इस पद पर नियुक्त किया गया था।

पोवार ने जूनियर सिलेक्शन कमेटी के पद के लिए भी इंटरव्यू दिया था। शुरुआत में उन्हें जूनियर चयन पैनल का चेयरमैन बनाए जाने की संभावना थी, लेकिन बाद में उन्हें सीनियर चयन समिति में शामिल करने पर विचार किया गया।

सीनियर चयन समिति के पद के लिए इंटरव्यू देने वाले अन्य उम्मीदवारों में बरौदा के पूर्व खिलाड़ी कॉनर विलियम्स और जैकब मार्टिन भी शामिल थे। वहीं, कर्नाटक के पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज डोडा गणेश को जूनियर चयन समिति का चेयरमैन बनाए जाने की संभावना बताई जा रही है। BCCI की ओर से इस नियुक्ति को लेकर आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।

पोवार का सबसे चर्चित विवाद 2018 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान कप्तान मिताली राज के साथ हुआ था। मिताली ने उन पर भेदभाव करने, अपमानित करने और करियर को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया था। यह विवाद तब और गहरा गया जब मिताली को इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच से बाहर कर दिया गया, जिसके बाद पोवार को पद से हटा दिया गया था।

पोवार के नाम पर बनी सहमति

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, क्रिकेट एडवाइजरी कमेटी ने 14 अक्टूबर को आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 15 अक्टूबर को उम्मीदवारों के इंटरव्यू लिए। इस दौरान चार से पांच उम्मीदवारों से बातचीत की गई, जिनमें भारत के पूर्व ओपनर वसीम जाफर भी शामिल थे। CAC ने पोवार के नाम पर सहमति जताई है।



रमेश पोवार ने 10 नवंबर 2015 को क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लिया था।

भारत-वेस्टइंडीज टी-20 से पहले वैभव ने लिखा- अब भी भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी

15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 5वें टी-20 मैच से पहले एक और पोस्ट की है। उन्होंने शुक्रवार रात को इंस्टाग्राम पर लिखा, स्टिल बिलीविंग यानी अब भी भरोसा है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को विंडीज की टीम के खिलाफ इस सीरीज में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला है। हालांकि, वैभव टीम में हैं। वैभव ने 4 दिन पहले चौथे टी-20 मैच से पहले भी एक स्टोरी पोस्ट की थी। उसमें उन्होंने 'इंतजार करिए' लिखा था। उनकी उस पोस्ट को 9 लाख 69 हजार यूजर्स ने लाइक किया था। हालांकि, उस मैच में उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला था। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी में उन्हें अपनी बेखौफ बल्लेबाजी की झलक दिखती है। सहवाग ने कहा- 'सूर्यवंशी पहली गेंद से ही शॉट लगाना चाहते हैं।' पिछले महीने हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि खिलाड़ी की उम्र 15 हो या 30 साल, अगर उसे मौके का इंतजार करना है तो इंतजार करना होगा। वैभव सूर्यवंशी अब तक खेले 8 मैचों में 186.36 के स्ट्राइक रेट से 246 रन बना चुके हैं।



- 4 दिन में दूसरी पोस्ट इस सीरीज में अब तक मौका नहीं मिला
- सहवाग बोले- उम्र नहीं, प्रदर्शन तय करे भारतीय टीम में जगह
- गंभीर बोले- उम्र 15 हो या 30 साल, मौके का इंतजार करना पड़ेगा

दिल्ली ने मुनाफ की जगह फास्ट बॉलिंग कोच बनाया

चामिंडा वास पहली बार आईपीएल में कोचिंग देंगे

नई दिल्ली। श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चामिंडा वास पहली बार IPL में कोचिंग करेंगे। उन्हें दिल्ली कैपिटल्स ने फास्ट बॉलिंग कोच बनाया है। वे अगले IPL सीजन में मुनाफ पटेल की जगह लेंगे। फ्रेंचाइजी ने अपने ऑफिशियल X हैंडल पर लिखा, 'वर्ल्ड कप विजेता और श्रीलंका के अब तक के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी। कोच, टाइगर टेरिटरी में आपका स्वागत है।'वास से पहले युवराज सिंह और सौरव गांगुली जैसे बड़े नाम दिल्ली की टीम से जुड़ चुके हैं। युवराज 14 अक्टूबर को बैटिंग और असिस्टेंट कोच बने थे। जबकि 6 अक्टूबर को टीम के हेड कोच बनाए गए थे।



वास पहली बार भारतीय लीग की टीम को कोचिंग देंगे। उनसे पहले मुथैया मुरलीधरन और महेला जयवर्धने जैसे पूर्व क्रिकेटर्स IPL टीमों से जुड़ चुके हैं। वास श्रीलंका के सबसे सफल गेंदबाजों में शामिल हैं। वे 1996 में वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली श्रीलंकाई टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 111 टेस्ट में 355 विकेट और 400 वनडे विकेट लिए हैं।

बुमराह एक साल बाद टेस्ट टीम में

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारत की टेस्ट और वनडे टीम का ऐलान हो गया है। जसप्रीत बुमराह एक साल बाद टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने आखिरी टेस्ट मैच पिछले साल नवंबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था। बुमराह वनडे और टी-20 टीम का हिस्सा नहीं होंगे। ऋषभ पंत भी टेस्ट टीम में शामिल किए गए हैं।

शुभमन गिल टेस्ट टीम के कप्तान बरकरार रखे गए हैं। वनडे फॉर्मेट में गिल के साथ-साथ श्रेयस अय्यर भी कप्तान बनाए गए हैं। गिल शुरुआती तीन वनडे में कप्तान होंगे। वहीं, आखिरी दो वनडे में श्रेयस अय्यर कमान संभालेंगे। इस दो मैचों के दौरान गिल के साथ उप कप्तान केएल राहुल को आराम दिया जाएगा। भारत 22 अक्टूबर से 1 दिसंबर तक न्यूजीलैंड दौरे पर रहेगा। इस दौरान टीम 5 टी-20, 5 वनडे और 2 टेस्ट मैच खेलेगी।

तेज गेंदबाज आकाशदीप सिंह की भी टेस्ट टीम में वापसी हुई है।

टीम को 3 आईपीएल जिताए, पिछले सीजन 9वें नंबर पर रही थी टीम

मुंबई इंडियंस के हेड कोच महेला जयवर्धने ने इस्तीफा दिया

मुंबई, एजेंसी

मुंबई इंडियंस के हेड कोच महेला जयवर्धने ने शनिवार, 17 अक्टूबर को पद छोड़ दिया। 49 साल के जयवर्धने का यह मुंबई इंडियंस के साथ दूसरा कार्यकाल था। वे 2025 सीजन से पहले दोबारा टीम के हेड कोच बने थे। जयवर्धने ने अपने पहले कार्यकाल में मुंबई इंडियंस को 2017, 2019 और 2020 में IPL खिताब जिताए थे।



जयवर्धने हमेशा हमारे परिवार का हिस्सा रहेंगे। उनके शांत स्वभाव, ईमानदारी और क्रिकेट के प्रति लगाव ने टीम के लिए काफी मायने रखा।

नीता अंबानी
मालकिन, मुंबई इंडियंस



टीम 2025 में चौथे स्थान पर रही और क्वालिफायर-2 में हार गई थी। पिछले सीजन में टीम 9वें स्थान पर रही। मुंबई इंडियंस के पास नया हेड कोच चुनने के लिए 15 नवंबर की

4 साल पहले ग्लोबल हेड ऑफ परफॉर्मेंस बने थे जयवर्धने

जयवर्धने ने 2022 में मुंबई इंडियंस के ग्लोबल हेड ऑफ परफॉर्मेंस की जिम्मेदारी भी संभाली थी। जयवर्धने ने कहा कि मुंबई इंडियंस उनके क्रिकेट करियर का खास हिस्सा रही है। खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ, प्रशंसकों और पूरे टीम परिवार ने इस सफर को यादगार बनाया। जयवर्धने ने कहा कि टीम के साथ हासिल की गई उपलब्धियों पर उन्हें गर्व है।

IPL रिटेंशन डेडलाइन से पहले एक महीने से भी कम समय बचा है। IPL की नीलामी दिसंबर के मध्य के आसपास गोवा में होने की उम्मीद है।

मनोरंजन

नोटिस के बाद अवैध निर्माण के चलते बीएमसी की कार्रवाई, एक्टर की टीम ने इनकार किया

दावा- मुंबई में अजय देवगन के बंगले का हिस्सा तोड़ा

मुंबई, एजेंसी

मुंबई नगर निगम (BMC) ने एक्टर अजय देवगन के जुहू स्थित बंगले में कथित तौर पर बिना अनुमति किए गए निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की है। ANI की रिपोर्ट के मुताबिक नगर निगम ने बंगले में किए गए निर्माण को तोड़ा है। आरोप है कि काम रोकने का नोटिस जारी होने के बावजूद निर्माण जारी था। बातचीत में अजय देवगन के पीआर पराग देसाई ने इन खबरों का खंडन किया है। उनका कहना है कि अजय देवगन के बंगले में BMC की टीम नहीं आई। ये खबरें पूरी तरह से



बेबुनियाद हैं। जिस प्रॉपर्टी को लेकर खबरें आ रही हैं, वह अजय की है और उनके घर से थोड़ी ही दूर है। अजय ने उसे किराए पर दिया हुआ है। संभव है कि बीएमसी को उस प्रॉपर्टी में कुछ अनियमितताएं मिली हों, जिसके चलते कार्रवाई हुई हो। अजय देवगन का एक बंगला मुंबई के जुहू इलाके की कपोल कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी ((जेवीएनपी स्कीम, एन एस रोड नंबर 11, प्लॉट एस-10) में 7,802 वर्ग फीट पर बना है। आरोप है कि बंगले में अंदरूनी बदलाव, पार्टीशन की दीवारें, खिड़कियां और अन्य निर्माण कार्य जरूरी अनुमति के बिना किए जा रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, BMC ने 10 सितंबर 2026 को मुंबई नगर निगम अधिनियम की धारा 354A के तहत नोटिस जारी किया था। इसमें निर्माण कार्य तुरंत रोकने और संबंधित दस्तावेजों के साथ जरूरी अनुमतियां जमा करने का निर्देश दिया गया था। नगर निगम के मुताबिक नोटिस जारी होने के बाद भी निर्माण कार्य नहीं रुका। इसके बाद BMC ने बंगले में किए गए कुछ कथित अनधिकृत निर्माण को हटाने की कार्रवाई की। BMC की कार्रवाई की खबरों के बीच काजोल को जुहू बंगले के पास सर्बाजनिन दुर्गा पंडाल में स्पॉट किया गया है। सर्बाजनिन पंडाल में दुर्गा पूजा का आयोजन काजोल के मुखर्जी परिवार द्वारा हर साल किया जाता है। इसमें रानी मुखर्जी, तनीषा, अयान मुखर्जी समेत पूरा परिवार शामिल होता है। अमर उजाला की रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले में विवाद की एक वजह अजय देवगन के बंगले का व्यावसायिक इस्तेमाल भी है। जानकारी के मुताबिक 10 अगस्त 2026 को देवगन परिवार ने जुहू स्थित बंगले को 'फ्लोरियन हुरेल सैलून्स प्राइवेट लिमिटेड' को 5 साल के लिए लीज पर दिया था। यह डील 10 करोड़ 61 लाख रुपए में हुई थी। शुरुआती मासिक किराया 16 लाख रुपए तय किया गया था।





रजनीकांत की फिल्मों के मशहूर संगीतकार देवा का निधन

दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गज संगीतकार देवा का शनिवार, 17 अक्टूबर को चेन्नई में निधन हो गया। वे 75 साल के थे। देवा ने सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्मों के मशहूर इंट्रो म्यूजिक को अपनी धुनों से खास पहचान दी थी। करीब चार दशक के करियर में उन्होंने तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा की 400 से ज्यादा फिल्मों में संगीत दिया। उनके निधन से दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है।

संगीतकार देवा को शनिवार सुबह सीने में दर्द की शिकायत के बाद चेन्नई के सूर्या हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें सुबह करीब 8:30 बजे अस्पताल लाया गया, जहां उन्हें गंभीर हार्ट अटैक आया। डॉक्टरों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन उपचार के बावजूद 75 वर्षीय देवा को नहीं बचाया जा सका। वे उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं से भी जूझ रहे थे।

देवा का पूरा नाम देवनासन चोक्कालिंगम था। उन्हें तमिल फिल्म इंडस्ट्री में 'थेनिसाई थेंद्रल' के नाम से जाना जाता था। इस उपाधि का अर्थ है 'मधुर संगीत की बयार'। रजनीकांत की फिल्मों में सुपरस्टार के नाम के साथ बजने वाली मशहूर धुन को तैयार करने का श्रेय भी देवा को जाता है।साल 1992 में आई फिल्म 'अन्नामलाई' के संगीत ने रजनीकांत की स्क्रीन इमेज को एक नई पहचान दी। इसके बाद फिल्म 'बाशा' में भी देवा के संगीत ने उनके स्टारडम को और मजबूत किया। रजनीकांत की फिल्मों में इस्तेमाल होने वाली यह धुन दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय हुई।

पहले दिन रणबाली का बॉक्स ऑफिस पर धमाका

जेलर 2 की नाक के नीचे उड़ाया मोटा पैसा

नई दिल्ली। मोस्ट एंटीसिपेटेड पीरियड ड्रामा रणबाली (Ranabaali) सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। फिल्म को लेकर काफी बज था। अब पहले दिन इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई कर ली है?

16 अक्टूबर को रणबाली बड़े पर्दे पर आई। इस फिल्म का क्लैश बॉलीवुड फिल्मों नई नवेली (Nayyi Navelli) और प्रहार (Prahaar) के साथ हुआ। यहां तक कि एक दिन पहले ही रजनीकांत की फिल्म जेलर 2 (Jailer 2) भी रिलीज हुई। ऐसे में रणबाली के लिए कॉम्पटीशन तगड़ा था। मगर इस तगड़े कॉम्पटीशन में रणबाली की जीत हुई। विजय देवरकोंडा की इस फिल्म ने पहले ही दिन नई नवेली और प्रहार को पछाड़ दिया है और बॉक्स ऑफिस पर धांसू ओपनिंग की है। सैकनिल्क के



मुताबिक, रणबाली ने पहले दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 9.25 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है। फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 10.75 करोड़ रुपये हो गया है। भारत के अलावा रणबाली की कमाई विदेशों में भी खूब हुई है। इस फिल्म ने ओवरसीज मार्केट में 5.40 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है। इस हिसाब से फिल्म का पहले दिन का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 16.15 करोड़ रुपये के करीब है। दूसरी ओर नई नवेली ने पहले दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 3.5 करोड़ रुपये कमाए, जबकि दुनियाभर में कमाई 4.6 करोड़ के करीब है। दूसरी ओर राजकुमार राव की फिल्म प्रहार (Prahaar) की ओपनिंग 2.35 करोड़ रुपये के साथ हुई। इसने वर्ल्डवाइड 3.52 करोड़ रुपये कमाया है। राहुल सांकृत्यायन के निर्देशन में बनी रणबाली में विजय देवरकोंडा, रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं। 1870s में सेट फिल्म की कहानी एक विद्रोही योद्धा की है, जो दक्षिण भारत में भीषण अकाल के दौरान अपने क्षेत्र और लोगों की रक्षा करते हुए एक ब्रिटिश कमिश्नर का सामना करता है।

तीन सिंगर्स ने मिलकर गाया था ऐश्वर्या राय का गाना, उर्दू में लिखी गजल को गुलाम अली भी दे चुके आवाज

पाकिस्तानी गजल से प्रेरित है ऐश्वर्या राय का ये कल्ट गाना

नई दिल्ली, एजेंसी

23 साल पहले जिस गाने में ऐश्वर्या राय (Aishwarya Rai) ने रोमांस किया था और जिसे गाने के लिए तीन दिग्गज सिंगर्स अलका याग्निक, उदित नारायण और कुमार सानू को साथ लाया गया था, वो गीत वास्तव में एक पाकिस्तानी गजल से प्रेरित है।

70 और 80 के दशक में पाकिस्तानी सिंगर ने एक पाकिस्तानी कवि की उर्दू में लिखी हुई गजल गाई और वह इतनी पॉपुलर हुई की 46 साल पहले उस्ताद गुलाम अली (Ghulam Ali) ने भी गाया। बाद में इसी उर्दू गाने के बोल को हिंदी में बनाया गया और यह बॉलीवुड के सबसे रोमांटिक गानों की फेहरिस्त में शामिल हो गया।



गाने के बोल समीर अनजान ने लिखे थे, वहीं संगीत हिट संगीतकार की जोड़ी नदीम-श्रवण ने बनाया था। गाना सुपरहिट हुआ और 23 सालों से बॉलीवुड के कल्ट सॉन्ग्स में से एक है।

मगर शायद ही आपको मालूम हो कि यह गाना पाकिस्तानी गजल से प्रेरित है। IMDb के मुताबिक, 'दिल का रिश्ता' गाना पाकिस्तानी सिंगर तस्वर खानम के 'दिल में एक लहर से उठी है' (Dil Mein Ek Laher Si Uthi Hai) से लिया गया था। 'दिल में एक लहर से उठी है' एक उर्दू गजल है जिसे नसीर काजमी (Nasir Kazmi) ने लिखी है। तस्वर खानम के गजल के बाद उस्ताद गुलाम अली ने भी इस गीत को अपनी आवाज दी थी।



23 साल से हिट है बॉलीवुड सॉन्ग

2003 में रिलीज हुई फिल्म 'दिल का रिश्ता' में ऐश्वर्या राय, प्रियांशु चटर्जी और अर्जुन रामपाल मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म भले ही फ्लॉप रही हो, लेकिन इसके सभी गाने कल्ट बन गए थे। यह गाना टाइटल ट्रैक 'दिल का रिश्ता' है। यह गाना 2000s के दौर का सबसे सुपरहिट गाना है। यह दिल छू लेने वाले गाने को अलका याग्निक, कुमार सानू और उदित ने गाया था।

तीन सिंगर्स ने दी थी आवाज

दिलचस्प बात यह थी कि इस गीत को गाने के लिए तीन सिंगर्स कुमार सानू, उदित नारायण और अलका याग्निक को बुलाया गया। उस दौर में कुमार और उदित के बीच तगड़ा कॉम्पटीशन हुआ करता था क्योंकि दोनों ही 90s और 2000s के शुरू में अपने गीतों के लिए दिलों में बस गए थे। यह गाना था 'दिल का रिश्ता' (Dil Ka Rishta)।

विपक्षी नेता बोले- उन पर समझौता करने का दबाव, पूर्व पीएम पर करीब 200 मामले

नवाज की तरह इमरान खान पाकिस्तान छोड़ सकते हैं

दावा

इस्लामाबाद, एजेंसी



पाकिस्तान में जेल में बंद पूर्व PM इमरान खान भी पूर्व प्रधानमंत्रियों की तरह देश छोड़ सकते हैं। विपक्षी नेता महमूद खान अचकजई ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह दावा किया।

अचकचई ने कहा-सरकार इमरान पर समझौते के लिए दबाव बना रही है। वे नवाज शरीफ और बेनजीर भुट्टो की तरह देश छोड़कर जा सकते हैं।

73 साल के इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। उन्हें 5 अगस्त 2023 को तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा सुनाए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया था। उन पर सिफर, अल-कादिर ट्रस्ट और इद्दत निकाह समेत करीब 200 मामले दर्ज हैं। अचकजई ने अपने दावे के समर्थन में पाकिस्तान के दो पूर्व प्रधानमंत्रियों नवाज शरीफ और बेनजीर भुट्टो के पुराने मामलों का हवाला दिया।

नवाज शरीफः 1999 में तत्कालीन सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ ने सैन्य तख्तापलट कर नवाज सरकार को हटा दिया था। नवाज को जेल में डाल दिया गया। इसके बाद 2000 में सऊदी अरब और लेबनान के नेताओं की मध्यस्थता से हुए समझौते के तहत वे पाकिस्तान छोड़कर चले गए। समझौते की शर्तों के मुताबिक, नवाज को 10 साल तक पाकिस्तान से बाहर और राजनीति से दूर रहना था।

बेनजीर भुट्टोः 1997 में तत्कालीन राष्ट्रपति फारूक लेघारी ने बेनजीर को भ्रष्टाचार के आरोप में प्रधानमंत्री पद से हटा दिया था। इसके बाद 1997 के आम चुनाव में उन्हें हार मिली। इसके बाद बेनजीर भुट्टो ने देश छोड़ दिया। वह 9 साल तक ब्रिटेन और दुबई में रहीं। महमूद खान अचकजई की राजनीति में एंट्री 1973 में पिता की हत्या के बाद हुई। उनके पिता पश्तूनों के अधिकारों और अलग राजनीतिक पहचान के लिए संघर्ष करते थे।

अभी वे पख्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी (PKMAP) के अध्यक्ष हैं और संसद में विपक्षी पार्टी का नेतृत्व करते हैं। नब्बे के दशक में वे नवाज शरीफ की पार्टी के सहयोगी थे। 2014 में जब इमरान खान ने नवाज सरकार के खिलाफ धरना दिया, तब अचकजई ने नवाज का समर्थन किया था।

बाद में संविधान की रक्षा और विपक्षी एकजुटता के मुद्दे पर उनकी पार्टी इमरान के करीब आई। जनवरी 2026 में इमरान खान ने ही उन्हें नेशनल असेंबली में विपक्ष का नेता बनाने के लिए नाम आगे बढ़ाया।

अचकजई लंबे समय से पाकिस्तान में सेना के राजनीतिक दखल और सत्ता के केंद्रीकरण का विरोध करते रहे हैं।

> तोशाखाना पाकिस्तान सरकार का सरकारी भंडार है। यहां प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, मंत्री और दूसरे सरकारी अधिकारियों को विदेशों से मिले कीमती तोहफे जमा किए जाते हैं। इनमें घड़ियां, गहने, पेंटिंग जैसी चीजें शामिल होती हैं।

अगस्त 2023 से जेल में हैं इमरान

73 साल के इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। उन्हें सबसे पहले तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा मिलने के बाद गिरफ्तार किया गया था। उन पर सिफर, अल-कादिर ट्रस्ट और इद्दत निकाह समेत करीब 200 मामले दर्ज हैं। बाद में सिफर और इद्दत निकाह मामलों में उन्हें अदालत से राहत मिल गई। तोशाखाना मामले में भी उनकी एक सजा रोक दी गई। इसके बावजूद दूसरे मामलों के चलते वह अभी जेल में हैं। इमरान खान और उनकी पार्टी PTI का कहना है कि 2022 में प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद उनके खिलाफ मामले राजनीतिक वजहों से दर्ज किए गए। उनका आरोप है कि उन्हें राजनीति और चुनाव से दूर रखने के लिए ऐसा किया गया। वहीं, पाकिस्तान सरकार और जांच एजेंसियां इन आरोपों को खारिज करती हैं और कहती हैं कि ये मामले कानूनी प्रक्रिया के तहत चल रहे हैं।

बांग्लादेशः कॉक्स बाजार के रिसॉर्ट में लगी भीषण आग

10 लोगों की मौत और 9 की हालत गंभीर

ढाका, एजेंसी



बांग्लादेश के मशहूर पर्यटन स्थल कॉक्स बाजार स्थित सी-साइड रिसॉर्ट में शनिवार सुबह भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 10 लोगों की जलकर मौत हो गई, जबकि 9 अन्य लोग घायल हो गए। उखिया पुलिस स्टेशन के प्रमुख मोहम्मद अतीकुर रहमान मजूमदार के अनुसार, यह हादसा इनानी क्षेत्र में मरीन ड्राइव पर पटुआरटेक बीच के पास स्थित टुपटुप रेस्टो एंड रिसॉर्ट में हुआ। आग सुबह करीब 6:30 बजे भड़की। फायर सर्विस के प्रवक्ता तल्हा बिन जासिम ने दोपहर करीब 1:30 बजे 10 लोगों की मौत और 9 लोगों के घायल होने की पुष्टि की। यह तीन मंजिला रिसॉर्ट मुख्य रूप से बांस और लकड़ी से तैयार किया गया था, जो कोलातोली से लगभग 29 किलोमीटर दूर स्थित है। ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग बेहद तेजी से फैली और उसने पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। कॉक्स बाजार फायर सर्विस के उप सहायक निदेशक सैयद मुहम्मद मोशेंद हुसैन ने बताया कि आग की लपटों में रिसॉर्ट का पूरा ढांचा जलकर खाक हो गया है। हादसे के वक्त रिसॉर्ट में करीब 30 लोग मौजूद थे, जिनमें से केवल चार से पांच लोग ही जान बचाकर बाहर निकलने में सफल रहे। हादसे में घायल हुए 9 लोगों को कॉक्स बाजार सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर सबुक्तगिन महमूद सोहेल ने बताया कि झुलसे हुए 5 मरीजों का इलाज जारी है, जबकि गिरने से चोटिल हुए एक व्यक्ति को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

फास्ट न्यूज

'बेटे ने किया मर्डर, चाकू घर ले गई मां'

लंदन। यूनाइटेड किंगडम से पिछले साल एक मामला सामने आया था, जिसमें भारतीय मूल के ब्रिटिश सिख ने साउथेम्प्टन में हेनरी नोवाक नाम के 18 साल के छात्र की हत्या कर दी थी। इस मामले में आरोपी की मां ने 53 वर्षीय किरण कौर ने बेटे के अपराध को छिपाने में मदद की थी। आरोपी की मां भारतीय है। इस मामले में अब जानकारी सामने आई है कि बेटे की मदद करने के लिए जेल गई महिला को भारत वापस भेजा जा सकता है।

भारत को सोने का नया सप्लायर मिल सकता है

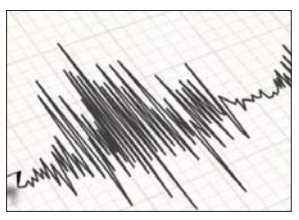
लंदन। ऑस्ट्रेलिया में सोने की नई खदानें तलाशने के लिए एक साल में रिकॉर्ड 13 हजार करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। यहां दुनिया का सबसे बड़ा सोना भंडार है। ऐसे में आने वाले समय में ऑस्ट्रेलिया भारत के लिए सोने का नया सप्लायर बन सकता है। फिलहाल भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर सोना आयात करता है, जबकि कुल आयात में ऑस्ट्रेलिया की हिस्सेदारी सिर्फ 2.27% है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में अकेले 10,625 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। यहां सोने की तलाश के लिए ड्रिलिंग मशीनों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है।

'खत्म हो गई संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता'

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत जीना रोमेरो के उन दावों को भारत ने पूरी तरह खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि देश में युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य या लैंगिक न्याय पर बात करने के कारण बदले की कार्रवाई या कलंक का सामना करना पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र में भारतीय राजनयिक अनुज स्वरूप ने कड़े शब्दों में जवाब देते हुए कहा कि ये आरोप गुमनाम और बिना पुष्टि किए गए बयानों पर आधारित हैं।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में लगे भूकंप के झटके

इस्लामाबाद, एजेंसी



पाकिस्तान में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। इसका असर भारत के भी कुछ हिस्सों तक महसूस किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 5.8 थी। भूकंप का केंद्र भी पाकिस्तान में ही था। आस-पास के कई जिलों में झटके महसूस किए गए, जिसके चलते लोग एहतियात के तौर पर अपने घरों और व्यावसायिक इमारतों से बाहर निकलकर खुली जगहों पर आ गए। आपातकालीन प्रबंधन टीमों ने प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों को संभावित आफ्टरशॉक (भूकंप के बाद आने वाले झटकों) को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है, क्योंकि इस तीव्रता के भूकंप के बाद अक्सर ऐसे झटके आते हैं। प्रांतीय सरकार के अधिकारियों ने अभी तक बड़े पैमाने पर तबाही या लोगों के घायल होने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। जिले भर में आपातकालीन प्रतिक्रिया दलों, चिकित्सा सुविधाओं और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है, जबकि नुकसान का विस्तृत आकलन अभी भी जारी है। भूकंप विशेषज्ञों ने बताया कि पाकिस्तान जटिल और सक्रिय टेक्टोनिक सीमाओं पर स्थित है, जिसमें मुख्य रूप से भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटें शामिल हैं। इस भौगोलिक स्थिति के कारण, देश के बड़े हिस्से अक्सर होने वाली भूकंपीय गतिविधियों और जमीन की हलचल के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हैं।

बोले- हमें फायदा, रूस से कर चुका डीजल खरीद डील, अमेरिका को 6 फायदे हो सकते हैं

ट्रम्प ने भारत पर 100% टैरिफ लगाने वाला कानून रोका

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी



अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने रूस पर सख्त प्रतिबंध लगाने वाले कानून को फिलहाल रोक दिया है। ट्रम्प ने शुक्रवार को इस फैसले से जुड़े आदेश पर हस्ताक्षर किए और कहा कि यह कदम अमेरिका के हित में है। प्रतिबंध से जुड़े कानून का मकसद रूस की कमाई के रास्ते बंद करना था, ताकि यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध के लिए उसे पैसा जुटाने में मुश्किल हो। खास बात ये है कि ट्रम्प ने 9 अक्टूबर को ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ डीजल खरीदने की डील की थी।

भारत अपनी जरूरत का 85% से ज्यादा कच्चा तेल दूसरे देशों से खरीदता है। अगस्त 2026 में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी करीब 45% थी।

भारत ने अगस्त में रूस से रोजाना औसतन 20.8 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा था। ऐसे में रूस से तेल खरीदने पर 100% तक टैरिफ लगने का खतरा भारत के लिए चिंता की वजह था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को कहा था कि भारत तेल की उपलब्धता और दुनिया के हालात को देखकर अपनी ऊर्जा जरूरतें पूरी करने का फैसला करता है।

भारत पहले भी अमेरिकी अधिकारियों के सामने यह मुद्दा उठा चुका है। जानकारों का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी संकट और होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही पर असर के बीच रूस से तेल की सप्लाई कम करना दुनिया में तेल की कीमतें बढ़ा सकता है।

इसलिए अमेरिका के लिए रूस पर और सख्त प्रतिबंध लगाना आसान फैसला नहीं है। रूस को प्रतिबंधों से राहत देने का फैसला ट्रम्प ने ऐसे समय लिया है, जब अमेरिका में तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। यूक्रेन के रूसी तेल रिफाइनरियों पर हमलों से तेल की सप्लाई प्रभावित हो रही है। इससे दुनिया में तेल महंगा हो रहा है। ट्रम्प चाहते हैं कि तेल की कीमतें कम हों, ताकि अमेरिका में पेट्रोल सस्ता हो सके।

ट्रम्प को 30 दिन के अंदर फैसला लेना था

ट्रम्प ने रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले बिल (लिंडसे ग्राहम एक्ट) पर 18 सितंबर 2026 को साइन किए थे। 16 सितंबर को हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने इसे 262-159 वोटों से मंजूरी दी थी। कानून पर साइन करने के बाद ट्रम्प को प्रतिबंध लगाने का फैसला 30 दिन के अंदर करना था। हालांकि, ट्रम्प ने इससे पहले ही प्रतिबंधों और टैरिफ पर छूट दे दी।

> इस कानून के तहत रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100% तक टैरिफ लगाया जा सकता था। इन देशों में चीन, भारत, स्लोवाकिया समेत हंगरी और अजरबैजान शामिल थे।

बिना क्लिक के डिवाइस में घुस सकता है मालवेयर, यूएन और नाटो के नेटवर्क तक पहुंच

इजराइली कंपनी के विज्ञापनों के जरिए जासूसी की कोशिश

जांच

नई दिल्ली, एजेंसी



टोरंटो यूनिवर्सिटी की सिटिजन लैब की जांच में खुलासा हुआ है कि इजराइली कंपनी डिस्कवर टेक के विज्ञापनों के जरिए मोबाइल और कंप्यूटर में जासूसी मालवेयर (एक तरह का सॉफ्टवेयर) पहुंचाने की कोशिश की गई।

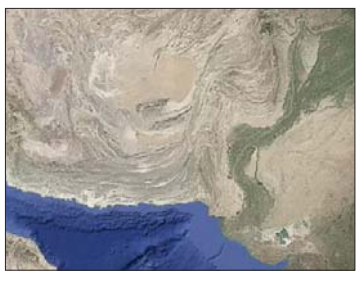
इसके लिए यूजर को विज्ञापन पर क्लिक करने की जरूरत भी नहीं थी। जांच में 1.20 लाख से ज्यादा वेबसाइटों और 75 हजार से ज्यादा ऐप पर ऐसे विज्ञापनों के रिकॉर्ड मिले। इनमें संयुक्त राष्ट्र (UN) और नाटो के नेटवर्क तक विज्ञापन पहुंचने की बात भी सामने आई है। रिकॉर्ड में भारत में इस्तेमाल होने वाले ट्रूकॉलर, एमएक्स प्लेयर और लूडो स्टार जैसे ऐप भी शामिल हैं। ये आंकड़े विज्ञापनों के रिकॉर्ड से जुड़े हैं। सीधे हैक हुए डिवाइस या जासूसी के शिकार यूजर्स की संख्या नहीं है। जांच में बीबीसी, न्यूयॉर्क टाइम्स, फॉक्स न्यूज, सीबीसी और याहू जैसी वेबसाइटों पर संदिग्ध विज्ञापन दिखने के रिकॉर्ड मिले। इनके अलावा अमेरिका के रक्षा विभाग, स्वीडन के सशस्त्र बलों और नॉर्वे की पुलिस के नेटवर्क तक भी विज्ञापन पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी और अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के नेटवर्क पर भी ऐसे विज्ञापन दिखे। कई देशों के सरकारी कार्यालयों और चुनावों की निगरानी करने वाली संस्थाओं के नेटवर्क भी इनके निशाने पर रहे।

> जांच में 'डार्क कार्टोग्राफर' नाम के एक अन्य समूह का भी पता चला। यह समूह विज्ञापनों के जरिए 30 से ज्यादा देशों में लोगों के मोबाइल नंबर पता लगाने की कोशिश कर रहा था।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में 5.7 तीव्रता का भूकंप आया

सिंध में भी झटके महसूस हुए, इतनी ही तीव्रता का भूकंप फरवरी में भी आया था

बलूचिस्तान, एजेंसी



पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में शनिवार को 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (USGS) के मुताबिक, भूकंप का केंद्र खुझदार शहर से 48 किलोमीटर दूर था। इसी साल फरवरी में यहां इतनी ही तीव्रता का भूकंप आया था।

भूकंप के झटके सिंध में भी महसूस किए गए हैं। स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमें खुझदार और आसपास के ग्रामीण इलाकों में नुकसान का आकलन कर रही हैं। जिले में राहत-बचाव दल, अस्पताल और पुलिस को अलर्ट पर रखा गया है। फिलहाल, भूकंप से जान-माल के नुकसान की कोई जानकारी सामने नहीं आई हैं। 5.7 तीव्रता का भूकंप काफी तेज होता है। इससे कमजोर और पुरानी इमारतों को नुकसान पहुंच सकता है। दीवारों में दरारें आ सकती हैं और कुछ इमारतों के हिस्से गिर सकते हैं। हालांकि, नुकसान कितना होगा, यह इमारतों की मजबूती पर भी निर्भर करता है। भूकंप से होने वाला नुकसान उसकी तीव्रता के अलावा जमीन के नीचे उसकी गहराई, केंद्र से दूरी और इमारतों की मजबूती पर भी निर्भर करता है। अगर भूकंप का केंद्र आबादी वाले इलाके के पास हो और वहां की इमारतें कमजोर हों, तो नुकसान ज्यादा हो सकता है। बलूचिस्तान में पहले भी खतरनाक भूकंप आ चुके हैं

बलूचिस्तान के क्वेटा में 1935 में 7.7 तीव्रता का विनाशकारी भूकंप आया था। इसमें करीब 35 हजार लोगों की मौत हुई थी।

वहीं, 1945 में मकरान तट के पास 8.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था, जिससे समुद्र में सुनामी भी उठी थी। पाकिस्तान में अब तक के सबसे विनाशकारी भूकंपों में से एक 8 अक्टूबर 2005 को आया था। इसका केंद्र मुजफ्फराबाद के पास था। भूकंप में 74 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।

विचार : वकील होने के दावे पर सवाल उठे, पहली ब्रीफिंग में जुबान लड़खड़ाई थी

ट्रम्प ने 5 दिन में ही प्रेस सेक्रेटरी को हटाया

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी



अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने अपनी नई प्रेस सेक्रेटरी केटी जकारिया को पद से हटा दिया है। जकारिया ने सोमवार को काम शुरू किया था और सिर्फ 5 दिन बाद, 16 अक्टूबर को उन्होंने पद छोड़ दिया।

व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि जकारिया पद से हट रही हैं। ट्रम्प ने उनसे नौकरी पर दोबारा विचार करने को कहा था।

जकारिया के वकील होने की योग्यता पर सवाल उठे थे। इसके अलावा वे अपनी पहली प्रेस ब्रीफिंग सही से नहीं दे पाईं थीं। एक सवाल पर अपने पति को उन्होंने गलती से माय प्रेसिडेंट कह दिया था।

द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रेस सेक्रेटरी के पद से हटने के पहले केटी जकारिया का उनके रिपोर्टर के साथ इंटरव्यू चल रहा था। तभी व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ सलाहकार उनके ऑफिस पहुंचे और बताया कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस उनसे बात करना चाहते हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने केटी जकारिया से कहा था कि उन्हें व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव की नौकरी छोड़ने पर विचार करना चाहिए। ट्रम्प ने यह भी कहा कि मीडिया ने केटी के साथ बहुत सख्ती की है और वह चाहते हैं कि केटी खुश रहें। केटी जकारिया ने 13 अक्टूबर को व्हाइट हाउस में पहली बार प्रेस ब्रीफिंग की थी जो 14 मिनट चली। उनके जवाबों की बहुत आलोचना हुई थी। जकारिया ने अपनी पहली ब्रीफिंग में राष्ट्रपति के कामों और उपलब्धियों का जिक्र बहुत ज्यादा किया। उन्होंने सिर्फ फॉक्स न्यूज, ब्राइटबार्ट और डेली मेल के पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए। ब्रीफिंग के दौरान वह ज्यादातर समय लिखे हुए नोट्स पढ़ती नजर आईं।

जकारिया के पास वकालत का लाइसेंस नहीं मिला

ट्रम्प ने जकारिया को प्रेस सेक्रेटरी बनाने का ऐलान करते हुए कहा था कि उन्होंने पेपरडाइन यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई की है। लेकिन उनके पास अमेरिका में वकालत का लाइसेंस होने का सबूत नहीं मिला।

गुरुवार को फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में जकारिया ने कहा कि उन्होंने वकालत की परीक्षा पास नहीं की है। अमेरिका में वकील बनने के लिए आमतौर पर परीक्षा पास कर लाइसेंस लेना जरूरी होता है।

जकारिया ने अंतरराष्ट्रीय कारोबारी कानून के क्षेत्र में काम करने की बात कही थी, लेकिन कानून की पढ़ाई करना और वकालत का लाइसेंस होना अलग-अलग बातें हैं। जकारिया इससे पहले ट्रम्प की सोशल मीडिया कंपनी ट्रम्प मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप में कम्युनिकेशन सलाहकार थीं। उनके लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक, उन्होंने जून 2026 में यह काम शुरू किया था। इससे पहले वह कुछ समय अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग में जनसंपर्क से जुड़ा काम भी कर चुकी थीं।

हूती विद्रोही यमन के रणनीतिक शहर ताइज के करीब

नई दिल्ली, एजेंसी



अमेरिका-ईरान जंग की वजह से होर्मुज जैसे समुद्री रास्ते पहले से परेशानी झेल रहे हैं। वहीं अब इस कड़ी में दुनिया के अहम समुद्री मार्गों में एक बाब अल मंदेब जलज-मरूमध्य पर भी संकट के बादल छा रहे हैं। ये संकट हूती विद्रोहियों के इसके नजदीक पहुंचे के कारण पैदा हुआ है। यमन के हूती विद्रोही ताइज (Taiz) पर अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटे हैं। हूती दक्षिणी बंदरगाह शहर अदन तक आने जाने वाले रास्तों पर रुकावट पैदा कर रहे हैं। इस वजह से बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य की सुरक्षा एक बार सवालों के घेरे में है।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने ताइज के आसपास अपनी मजबूत पहुंच बना कर वहां पर अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं। ताइज उनके लिए यमन के दक्षिणी इलाकों में एक बड़ा गढ़ है। सेना अपने खोए हुए इलाके को पाने कि कोशिश में संघर्ष कर रही है।

बता दें कि ताइज लंबे समय से सरकार के गढ़ रहा है जो हर तरफ से हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाके से घिरा हुआ है। इसके बावजूद हूतियों ने अब तक यहां पर अपनी पकड़ मजबूत नहीं बना पाई थी लेकिन अब हालात बदल गए हैं। वहां उनकी स्थिति मजबूत हो गई है।

हूतियों ने अदन जाने वाली 200 किलोमीटर लंबी सड़क के कुछ हिस्सों पर अपना कब्जा जमा लिया है। इसमें अल-मिसराख और अल-तर्बाह के आसपास के इलाके शामिल हैं। अक्टूबर की शुरुआत से ही हूतियों ने शहर को चारों तरफ से घेर लिया था।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676

सर सैयद डे समारोह में बोले-सभी इच्छाएं पूरी हो जरूरी नहीं, सपने देखना न छोड़े

एएमयू में बग्घी पर सवार होकर सुप्रीम कोर्ट जज पहुंचे

समारोह

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (AMU) में शनिवार को संस्थापक सर सैयद अहमद खान की जयंती मनाई गई। समारोह में सुप्रीम कोर्ट के जज ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। वह कुलपति नइमा खातून के साथ बग्घी में सवार होकर सुबह साढ़े 10 बजे समारोह में पहुंचे। यहां पर सलामी दी गई। उसके बाद सम्मान के साथ मंच तक लाया गया। उसके बाद समारोह शुरू हुआ।



सुप्रीम कोर्ट के जज ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह लाल बग्घी में सवार होकर एएमयू पहुंचे थे।

समारोह को संबोधित करते हुए जज ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने कहा- सपने पूरा हो न हो। लेकिन उसे देखना और पूरा करने की कोशिश करना नहीं छोड़ना चाहिए। सपने तुरंत पूरा हो ये जरूरी नहीं है। छात्रों को अपने सपनों को सीमित नहीं करना चाहिए, बल्कि मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ना चाहिए। एएमयू की स्थापना किसी व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए नहीं की गई थी। सर सैयद ने ऐसे संस्थान का सपना देखा था।

सुप्रीम कोर्ट के जज ऑगस्टीन बोले- व्यक्तिगत लाभ के लिए एएमयू नहीं बना

जस्टिस मसीह ने कहा- सर सैयद अहमद खान ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की स्थापना अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं की थी। उनका उद्देश्य ऐसा शैक्षणिक संस्थान तैयार करना था, जो भविष्य में आने वाले विद्यार्थियों को शिक्षा और तरक्की के अवसर दे सके।

जस्टिस सत्यवीर सिंह बोले- गरीब बच्चों के लिए और हॉस्टल बनने चाहिए

यूपी हाईकोर्ट के जज सत्यवीर सिंह ने कहा- गरीब और कमजोर वर्ग के बच्चों को उच्च शिक्षा के अधिक अवसर देने की जरूरत है। AMU में ऐसे और हॉस्टल बनाए जाने चाहिए, जहां आर्थिक रूप से कमजोर बच्चे रहकर पढ़ाई कर सकें। बहुत से बच्चे विश्वविद्यालय में पढ़ना चाहते हैं, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण उनका सपना पूरा नहीं हो पाता। AMU इंतजामिया को इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि जरूरतमंद बच्चों को भी शिक्षा का अवसर मिल सके।

66 अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में तकनीकी विज्ञान और आईटी विषय पर हुई निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। फर्स्ट आने वाले छात्र को 25 हजार, सेकेंड आने वाले छात्र को 15 हजार और थर्ड आने वाले को 10 हजार रुपए का चेक दिया गया।



एमआईईटी ग्रुप ऑफ स्कूल्स में नवरात्रि और रामनवमी की धूम

धनुची नृत्य, गरबा-डांडिया और रामलीला ने मोहा मन

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। एमआईईटी ग्रुप ऑफ स्कूल्स की मवाना रोड, जागृति विहार और पल्लवपुरम शाखाओं में नवरात्रि एवं रामनवमी के पावन अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। रंग-बिरंगे परिधानों, पारंपरिक नृत्यों और भक्तिमय वातावरण के बीच विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और नैतिक मूल्यों की शानदार झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रमों में कहीं मां दुर्गा की शक्ति का गुणगान हुआ तो कहीं भगवान श्रीराम के आदर्शों और बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दिया गया। एमआईईटी पब्लिक स्कूल की तीनों शाखाओं में आयोजित नवरात्रि कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने महिषासुर वध की प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से मां दुर्गा की शक्ति और अधर्म पर धर्म की विजय को दर्शाया। इसके साथ ही धनुची



नृत्य, गरबा और डांडिया की मनमोहक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। पारंपरिक वेशभूषा में सजे विद्यार्थियों ने उत्साह-पूर्वक भाग लेकर उत्सव को यादगार बना दिया। रामनवमी के अवसर पर कक्षा एक से पांच तक के विद्यार्थियों ने रामायण पर आधारित रामलीला का मंचन किया। नन्हे कलाकारों ने भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों को अपने अभिनय के माध्यम से जीवंत कर दिया।

फास्ट न्यूज

आगरा में छापे के दौरान तीसरी मंजिल से गिरा युवक

आगरा। आगरा में जुए की सूचना पर पुलिस के छापे के दौरान युवक की तीसरी मंजिल से गिरकर मौत हो गई। परिजनों ने पुलिसकर्मियों पर युवक को नीचे फेंकने का आरोप लगाया है। घटना के बाद हंगामा किया। घटना शुक्रवार की देर रात करीब 1 बजे रकाबगंज थाना क्षेत्र के रावली इलाका की है। बताया जा रहा है कि रकाबगंज पुलिस को रावली इलाके में जुआ होने की सूचना मिली थी।

120 साल पुरानी ऐतिहासिक रामलीला, पांचवीं पीढ़ी संभाल रही कमान

मुरादाबाद। मुरादाबाद में लाइनपार स्थित श्री रामलीला ग्राउंड पर पिछले 120 से अधिक वर्षों से ऐतिहासिक रामलीला का मंचन बड़ी धूमधाम से किया जा रहा है। श्रीराम लीला मैनेजिंग कमेटी (रजि०) के सह कोषाध्यक्ष संदीप बंसल ने कमेटी के गौरवशाली इतिहास की जानकारी साझा करते हुए बताया कि लगभग 1900 के दशक से शुरू हुई यह रामलीला आज भी एक ही परिवार की पांचवीं पीढ़ी द्वारा पूरी निष्ठा के साथ संचालित की जा रही है, जिसमें हर साल 3 से 4 लाख श्रद्धालु भगवान के दर्शन कर धर्मलाभ उठाते हैं।

मथुरा में पलक मुच्छल के शो पर विवाद

मथुरा। मथुरा में बॉलीवुड सिंगर पलक मुच्छल का कार्यक्रम नहीं होने पर विवाद हो गया। गुरुवार रात अग्र महोत्सव में उनकी प्रस्तुति होनी थी। इसके लिए बड़ी संख्या में लोग बीएसए कॉलेज मैदान पहुंचे थे। रात 9 बजे से साढ़े 12 बजे तक इंतजार के बाद भी पलक मुच्छल मंच पर नहीं पहुंचीं। इससे नाराज लोगों ने हंगामा किया। शुक्रवार को यह मामला सोशल मीडिया पर छाया रहा।

मिशन शक्ति के तहत नारी सशक्तीकरण पर कार्यक्रम, खुशी बनीं एक दिन की प्रधानाचार्य

बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और निर्णय लेने की योग्यता विकसित करने की पहल

तमसा संकेत, संवाददाता

(मथुरा)। श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज, महावन में मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत नारी सशक्ती-करण एवं महिला सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों और स्काउट-गाइड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में कक्षा 11 की छात्रा खुशी को एक दिन की प्रधानाचार्य बनाया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने नारी सम्मान, महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण की शपथ ली। कार्यक्रम में तहसीलदार सचिन पवार ने कहा कि समाज की प्रगति के लिए महिलाओं को समान अवसर, सुरक्षा और सम्मान देना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को महिला अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। एक दिन



की प्रधानाचार्य बनीं छात्रा खुशी को विद्यालय की शैक्षिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जानकारी दी गई। उन्हें अनुशासन, कक्षाओं के संचालन, समय-सारिणी और विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान जैसी जिम्मेदारियों से परिचित कराया गया। इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और निर्णय लेने की योग्यता विकसित करना रहा।

विद्यालय के प्रधानाचार्य जितेंद्र मिश्रा ने कहा कि मिशन शक्ति का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है। बालिकाओं को नेतृत्व के अवसर मिलने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे भविष्य में अपनी जिम्मेदारियों का बेहतर ढंग से निर्वहन कर सकती हैं। एनएसएस के नोडल प्रभारी शिवकुमार निगम एवं श्रीनिवास शर्मा और स्काउट मास्टर विनोद कुमार शुक्ला ने नारी सम्मान, महिला सुरक्षा तथा सामाजिक जागरूकता के महत्व पर विचार व्यक्त किए। गाइड कैप्टन अंजलि वर्मा ने बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सत्यप्रकाश सारस्वत, टीना दीक्षित, कसक पाराशर, मनी, विपिन, कैलाश, करण बाबू, विष्णु कानोरिया, विजय शर्मा, रीतराम, संदीप शर्मा, पंकज और रेखा सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, कर्मचारी, एनएसएस स्वयंसेवक तथा स्काउट-गाइड उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत बलदेव पुलिस ने महिलाओं और छात्राओं को किया जागरूक

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग के बारे में बताया

तमसा संकेत, संवाददाता

बलदेव (मथुरा)। उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी अभियान मिशन शक्ति फेज-6.0 के द्वितीय चरण के तहत थाना बलदेव की मिशन शक्ति पुलिस टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध, यातायात नियमों तथा सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा के निर्देशन में आयोजित जागरूकता अभियान के दौरान छात्राओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर जरूरत पड़ने पर तत्काल सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को बताया कि बसों, रास्तों और सार्वजनिक स्थानों पर मनचलों या शोहदों द्वारा छेड़छाड़ किए जाने पर डरने या चुप रहने के बजाय तत्काल पुलिस को सूचना दें।



66 अभियान के दौरान व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सावधानीपूर्वक इस्तेमाल करने की सलाह दी गई। पुलिस टीम ने साइबर अपराध से बचाव के उपाय बताते हुए संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने, अपनी निजी जानकारी अनजान लोगों के साथ साझा न करने और साइबर ठगी होने पर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत करने की जानकारी दी। इसके अलावा महिलाओं और बालिकाओं को यातायात नियमों का पालन करने तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।

हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को सरकार की विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया। इनमें मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, वूमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एम्बुलेंस सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, अग्निशमन सेवा 101 और साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 शामिल हैं। पुलिस टीम ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित इस योजना का उद्देश्य प्रतिभाशाली और जरूरतमंद विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए नि:शुल्क कोचिंग एवं उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है।

इन्डियन पब्लिक स्कूल में डांडिया-गरबा की धूम

पारंपरिक परिधानों में सजी छात्राओं की मनमोहक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

तमसा संकेत, संवाददाता

(मथुरा)। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर इन्डियन पब्लिक स्कूल, जादौपुर में डांडिया-गरबा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। भक्ति, उत्साह और सांस्कृतिक रंगों से सजे कार्यक्रम में छात्राओं ने पारंपरिक गुजराती वेशभूषा में आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में छात्राओं ने पारंपरिक गुजराती एवं भक्ति गीतों की धुन पर डांडिया-गरबा की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। पलक, प्राची, कनक, रिया, भारती, नीशू, साक्षी, नेहा, प्रियंका, यामी, मानवी, मनू, प्रीती, सीमा, गुंजन, निशा, तपस्या और किंजल ने शानदार तालमेल व नृत्य कौशल से दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी। छात्र-छात्राओं और विद्यालय परिवार ने तालियां बजाकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।



विद्यालय के प्रबंधक शिव कुमार ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों से बच्चों की प्रतिभा को मंच मिलता है। साथ ही वे भारतीय संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों के महत्व को भी समझते हैं।

कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों को नवरात्रि की शुभकामनाएं देने के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रधानाचार्य तुषार देशवार, किरोरी, धर्मेंद्र परिहार, विद्यासागर सरपंच, विवेक, देवेंद्र, संजू, पूजा, संजना, शलोनी, अंबिका, गोलो और मीरा सहित विद्यालय परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

बड़ी बहन को याद कर बेसुध हो रही भूमि, कहा-काश दीदी का हाथ पकड़ खींच लेती

नौसिखिए ड्राइवर ने नशे में ली जान

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र के कालिंदी विहार में शुक्रवार रात को तेज रफ्तार डीसीएम ने 4 युवतियों को रौंद दिया। इसमें एक युवती की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि उसकी दो सहेली व सगी बहन घायल हो गई। हादसे के बाद बहन भूमिऔर सहेली शिखा सदमे में है। बहन रोते-रोते बस एक बात कह रही है कि दीदी का हाथ पकड़कर खींच लेती। शनिवार दोपहर गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। ड्राइवर के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो गई है। घटना शुक्रवार रात करीब सवा 9 बजे की है। कालिंदी विहार एच ब्लाक कैला देवी मंदिर के सामने खुशबू जुरैल 22 साल अपनी बहन भूमि (18), पड़ोसी शिखा कुशवाह के साथ अपनी सहेली निशा चौधरी (20) साल निवासी गोविंद कॉलोनी को छोड़ने आई थीं।



शराब के नशे में था ड्राइवर

लोगों का कहना है कि मैक्स का ड्राइवर अरबाज शराब के नशे में था। हादसे की जगह से करीब 500 मीटर पहले देशी शराब का ठेका है। मैक्स उसी साइड से आई थी। उसकी रफ्तार बहुत तेज थी। चालक का नियंत्रण नहीं था। इसके चलते ही सड़क किनारे टहल रही युवतियों को उसने रौंद दिया। लोगों ने ड्राइवर की पिटाई भी की। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है। उसने पुलिस को बताया कि उसे पूरी तरह से गाड़ी चलाना नहीं आता था। वो अभी सीख रहा था।



खुशबू की बॉडी देखकर भूमि उसकी लाश से लिपट गई।

सहेली को याद कर बेसुध हो रही शिखा

हादसे में घायल शिखा कुशवाह खुशबू की सहेली है। चौहान हॉस्पीटल में उसका इलाज चल रहा है। रात को उसे जब होश आया तो उसने खुशबू के बारे में पूछा। परिजनों ने उसे मौत के बारे में नहीं बताया। वो बार-बार खुशबू और दूसरी सहेलियों के बारे में पूछ रही है।



होश में आने पर शिखा अपनी सहेलियों के बारे में पूछ रही है।

बहन की लाश से लिपटकर रोई

शनिवार दोपहर करीब एक बजे पोस्टमार्टम के बाद खुशबू की लाश घर पहुंची। देखते ही चीख पुकार मच गई। छोटी बहन भूमि बेसुध हो गई। लोगों ने उसे संभाला। वो बहन की बॉडी से लिपटकर रोने लगी। वो बार-बार कह रही थी कि दीदी मैं तुम्हे बचा नहीं पाई। मैं तुम्हारा हाथ पकड़कर खींच लेती। सब साथ ही टहल रहे थे।

जैसे ही बेटी की अर्थी उठी, पिता मनमोहन दहाडे मारकर रोने लगे। वो कहने लगे तू मुझे छोड़कर जा रही है। तुझे पापा की एक बार भी याद नहीं आई। मेरी बेटी, पापा के बारे में तो सोच लेती। लोगों ने बड़ी मुश्किल से उन्हें संभाला।

पृष्ठ 01 का शेष...

2017 से पहले था ...

उन्होंने जूनियर्स को संदेश दिया कि लगातार मेहनत करें, अपने लक्ष्य पर फोकस रखें और किसी भी तरह के डिस्ट्रैक्शन से बचें। मेहनत और निरंतरता से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। LLM में इंटरनेशनल लॉ की पढ़ाई करने वाली चित्रा सिंह को सिल्वर मेडल मिला है। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय RMLNLU के फैकल्टी मेंबर्स और अपने माता-पिता को दिया। तेजश्वनी कौशल ने बताया कि BA-LLB ऑनर्स में सबसे ज्यादा मार्क्स और CGPA हासिल करने के लिए गोल्ड मेडल मिला है उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता को दिया और प्रोफेसर्स को सहयोग, मार्गदर्शन और शिक्षा के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ के भाषण और उनकी मौजूदगी से उन्हें काफी प्रेरणा मिली। भाषण में महाभारत, AI और खुद को अपडेट रखने जैसी बातों से सीखने को मिला। उन्होंने कहा कि वकीलों को हमेशा स्टूडेंट बने रहना चाहिए और राजनीतिक, आर्थिक व वित्तीय मामलों में हो रहे बदलावों की जानकारी रखनी चाहिए। ये बातें उनके लिए काफी उपयोगी हैं। ईशा अग्रवाल को दीक्षांत समारोह में तीन गोल्ड और एक सिल्वर समेत चार मेडल मिले। उन्होंने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ के हाथों सम्मानित होकर उन्हें बहुत खुशी हो रही है और वह काफी मोटिवेटेड महसूस कर रही हैं। उन्होंने बताया कि मेडल देते समय सीएम ने उनसे पूछा कि क्या सारे मेडल आज उन्हीं को मिले हैं? इस पर उन्होंने जवाब दिया, "सर, आपके आशीर्वाद से।" ईशा ने सीएम से यह भी कहा कि वह उनसे बहुत इंस्पायर होती हैं और वे उनके लिए रोल मॉडल हैं। इस पर सीएम ने उन्हें धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकसित भारत का निर्माण केवल कारखानों और एक्सप्रेसवे से नहीं होगा। इसके लिए न्याय, अधिकार और कर्तव्य की मजबूत व्यवस्था तैयार करनी होगी। इसकी जिम्मेदारी आने वाली पीढ़ी को उठानी है। उन्होंने महर्षि गौतम के न्यायसूत्र का जिक्र करते हुए कहा कि करीब 2000 साल पहले प्रमाण के चार प्रकार बताए गए थे—प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान और शब्द। हमारी प्राचीन न्याय परंपरा आज भी मार्गदर्शन करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारों को कर्म और कर्तव्य से जोड़कर देखना चाहिए। श्रीमद्भगवद्गीता का संदेश "कर्मण्येवा-धिकारस्ते मा फलेषु कदाचन" हमें कर्म करने की सीख देता है। संविधान मौलिक अधिकारों के साथ अनुच्छेद 51ए में मौलिक कर्तव्यों की भी व्यवस्था करता है। उन्होंने कहा कि धर्म का अर्थ केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि सत्य, न्याय और कर्तव्य है। इस युग में धर्म की स्थापना न्याय के जरिए होगी और इसकी जिम्मेदारी विधि के छात्रों के हाथों में होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून की सबसे बड़ी ताकत उसकी धाराएं नहीं, बल्कि आम लोगों का भरोसा है। निष्पक्षता इस भरोसे को जीतने का सबसे बड़ा माध्यम है। विधि के छात्रों को अपने आचरण में ईमानदारी बनाए रखनी होगी और सही दिशा में लगातार काम करना होगा। योगी ने कहा कि दस साल पहले उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की बात पर लोग हंसते थे। अब इसके लिए विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया गया है और कार्ययोजना पर काम चल रहा है।

अभिजीत दीपके को ...

संस्थापक अभिजीत दीपके के वकील पुष्प शर्मा और पार्टी की लीगल अफेयर्स हेड रत्ना सिंह मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन पहुंचे। इससे पहले आज रत्ना सिंह ने ट्वीट कर बताया था कि अभिजीत दीपके को मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन में एसईएम (सब-डिविजनल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट) के सामने पेश किया जाएगा। केरल के तिरुवनंतपुरम के म्यूजियम पुलिस स्टेशन में दिल्ली पुलिस के खिलाफ जीरो FIR दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता दिल्ली यूनिवर्सिटी की लॉ छात्रा और NSUI कार्यकर्ता अथिरा विजयन हैं। आरोप है कि 13 अक्टूबर को दिल्ली के कनॉट प्लेस में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने उन्हें रोका, गालियां दीं, घसीटा और मारपीट की। मामले में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 74, 76, 115, 117, 126, 296(B) और 391 समेत अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। एक्टर और एक्टिविस्ट प्रकाश राज ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और वोटर लिस्ट के SIR के खिलाफ देशभर में शांतिपूर्ण प्रदर्शन जारी रहेंगे। उन्होंने कहा- हमारे अंदर गांधी का खून है, अंबेडकर का खून है, भगत सिंह का खून है। हम देशभर में शांतिपूर्ण प्रदर्शन करते रहेंगे। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को कनॉट प्लेस और नई दिल्ली के अन्य इलाकों में प्रतिबंधों के उल्लंघन के मामले में कई FIR दर्ज कीं। पुलिस के मुताबिक, बार-बार चेतावनी देने के बाद भी कनॉट प्लेस में भीड़ जमा हुई। BNSS की धारा 163 तोड़ने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। CJP ने दावा किया कि अभिजीत दीपके को हिरासत में लिए जाने के कई घंटे बीत जाने के बाद भी उनकी लोकेशन की जानकारी नहीं मिली। पार्टी के राष्ट्रीय संगठन प्रभारी अजिंक्य शिंदे के मुताबिक, पुलिस ने संसद मार्ग थाने में दीपके के होने से इनकार किया और दूसरे थाने में पता करने को कहा। पार्टी का आरोप है कि दीपके के वकीलों को भी हिरासत की वजह नहीं बताई गई। NCP (शरदचंद्र पवार) के प्रवक्ता अनीश गांडे ने दीपके की रिहाई की मांग की। उन्होंने दावा किया कि दीपके तिरंगा लेकर जा रहे थे और उन्होंने पुलिस से दूसरी जगह जाने का विकल्प मांगा था, लेकिन उन्हें हिरासत में ले लिया गया। गांडे के मुताबिक, दीपके के वकीलों और परिवार को उनकी लोकेशन और हिरासत की वजह की जानकारी नहीं दी गई।

केरल के पूर्व सीएम ...

जिसमें उन्होंने 2.78 करोड़ रुपये के सीएमआरएल और एक्सालॉजिक मामले में विजिलेंस की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की थी। विजयन ने गिरफ्तारी की आशंका भी जताई थी।

बच्चों को इंटरनेट ...

जरूरत पड़ने पर आईटी कानून और नियमों में बदलाव भी करने होंगे। सरकार को हलफनामा देकर बताना होगा कि निर्देशों पर अब तक क्या काम हुआ है। मामले की अगली सुनवाई 10 दिसंबर 2026 को होगी। CSEAM यानी चाइल्ड सेक्शुअल एक्सप्लॉइटेशन एंड अब्यूज मटेरियल। इसका मतलब बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़ी सामग्री है। इसमें ऐसी तस्वीरें, वीडियो या अन्य डिजिटल कंटेंट शामिल होते हैं, जिनमें बच्चों का यौन शोषण दिखाया गया हो या जिन्हें इस तरह के शोषण के लिए इस्तेमाल किया जाता हो। सुप्रीम कोर्ट में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस बनाम एस. हरिश मामले में याचिका दायर कर सोशल मीडिया कंपनियों की ओर से ऐसी सामग्री की पहचान करने और उसकी जानकारी भारतीय पुलिस को देने में कथित लापरवाही का मुद्दा उठाया गया था। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि कंपनियां ऐसी सामग्री की जानकारी अमेरिका की संस्था को तो देती हैं, लेकिन भारतीय कानून के तहत पुलिस को रिपोर्ट करने की जिम्मेदारी पूरी नहीं करतीं।

असहमति के साथ ...

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के बाद चीफ जस्टिस सूर्यकांत का विरोध लॉ यूनिवर्सिटीज में शुरू हुआ था। इसकी शुरुआत NALSAR हैदराबाद से हुई थी। यहां करीब 1,400 छात्र पढ़ते हैं। करीब 450 छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन को पत्र लिखकर CJI को चीफ गेस्ट बनाने का न्योता वापस लेने की मांग की थी। समारोह की तारीख तय नहीं हुई थी। NALSAR, हैदराबाद के छात्रों ने CJI सूर्यकांत को मुख्य अतिथि बनाए जाने का विरोध किया। छात्रों ने CJI की कथित टिप्पणियों और दिल्ली के विरोध प्रदर्शनों से जुड़ी कार्यवाही पर सवाल उठाए। विवाद बढ़कर BCI तक पहुंचा। BCI ने कुछ समय के लिए 2026 के NALSAR ग्रेजुएट्स के रजिस्ट्रेशन पर रोक लगाने का निर्देश दिया।